डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
मीडिया दृष्टिकोण
वर्ष : 09 > अंक : 41 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

सद्बुद्धि ही सद्गति का मार्ग है। -शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023

राजनैतिक संकट में भी जनता को राहत देने का लिया दृढ़ संकल्प

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की नीतियाँ बनेंगी आम जनता की तारण हार

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जननायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए जनता को सियासी संकट में भी राहत देने का दृढ़ संकल्प लिया है और राजस्थान राज्य को विकसित राज्य की श्रेणी में लाने के लिए मिशन 2030 को अपना लक्ष्य बनाया। इस मिशन के तहत कई तरह की योजनाओं को लाया गया है जिनमें से सबसे प्रमुखता से क्रियान्वित की जा रही है महंगाई राहत कैम्प योजना।

देश में बढ़ती महंगाई और उससे त्रस्त राजस्थान राज्य की जनता को राहत देने के लिए सरकार दिनाँक 24 अप्रैल से महंगाई राहत कैम्प शुरू करने जा रही है जिसके तहत जनता को अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा जिसकी वजह से मिशन 2030 को विशेष मज़बूती मिलेगी। देश में बढ़ती महंगाई से प्रदेशवासियों को राहत दिलाने के लिए राजस्थान सरकार अब महंगाई राहत कैंप लगाने जा रही है।

11283 ग्राम पंचायतों और 7500 शहरी वार्डों में

प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान के प्रत्येक शिविर में महंगाई राहत कैम्प के विशेष काउंटर लगाएं जाएंगे. इनके अलावा 2000 स्थाई महंगाई राहत कैंप भी लगेंगे. ये कैम्प जिला प्रशासन द्वारा सरकारी अस्पताल, गैस एजेंसी, बस स्टैंड, प्रमुख बाजार, शॉपिंग मॉल्स, रेलवे स्टेशन, जिला कलेक्ट्रेट, पंचायत समिति, नगरपालिका व अन्य सरकारी दफ्तरों या सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे.

कैम्प का मुख्य उद्देश्य

आमजन को उनके अधिकारों, जनहितैषी योजनाओं और उनकी पात्रता की सम्पूर्ण जानकारी देकर जागरूक करने के साथ उन्हें सशक्त बनाना। इस कैम्प की विशेषता है कि किसी भी जिले का व्यक्ति अन्य जिलों के शिविरों में भी जनाधार के जरिए पंजीकरण करा सकता है।

10 जनकल्याणकारी योजनाओं की सूची जिनसे आमजन को मिलेगा संबल और लाभ

- 1. मुख्यमंत्री गैस सिलेंडर गारंटी कार्ड योजना
- 2. मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना (घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह)
- 3. मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना (कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट प्रतिमाह)
- 4. मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना
- 5. महात्मा गांधी नरेगा ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (25 अतिरिक्त दिवस तथा कथौड़ी, सहरिया व विशेष योग्यजन को 100 दिवस अतिरिक्त)
- 6. इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना (125 दिवस)
- 7. सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना (न्यूनतम 1000 रुपये पेंशन प्रतिमाह)
- 8. मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना
- 9. मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (अब 25 लाख रुपये का बीमा)
- 10. मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना (अब 10 लाख रुपये का बीमा)

ख़बर-बेख़बर

अशोक गहलोत के सूर्यास्त होने का कारण बनेंगे अरुण जोशी

एक तरफ विधायक सियासी संकट का बारुद अपनी ही सरकार के ख़िलाफ़ लेकर घूम रहे हैं और उस परजनसम्पर्क विभाग संयुक्त निदेशक अरुण जोशी बन रहे कोढ़ में खाज़ !

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। अशोक गहलोत के सूचना एवम जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक अरुण जोशी गहलोत सरकार के लिए कोढ़ में खाज़ का काम कर रहे हैं , जहाँ एक ओर अशोक गहलोत के ही विधायक अपनी ही सरकार के ख़िलाफ़ बयानबाजी करते नज़र आते हैं इधर सचिन पायलेट अशोक गहलोत की वादे ख़िलाफ़ी पर अनशन कर अपनी ही सरकार पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं । ऐसे में अरुण जोशी भी गहलोत सरकार को डुबाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क में 34 लाख के गबन आरोपों से घिरे संयुक्त निदेशक अरुण जोशी मीडिया को भी अपनी कारस्तानियों से लगातार नाराज़ करते आ रहे हैं। 12 अप्रैल महँगाई में राहत कैम्प की प्रेस वार्ता सीएम हाउस में आयोजित की गई थी इस प्रेस वार्ता में अरुण जोशी के प्रबन्धन से विधायक और पत्रकार दोनों नाराज़ नज़र आये । यही नहीं इन कमियों के साथ-साथ प्रेसवार्ता में आमंत्रित पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार कर अरुण जोशी ने कांग्रेस सरकार की कार्यनीति और व्यवहार पर कई प्रश्न खड़े कर दिए ।

इन स्थितियों को देखते हुए कहा जा सकता है कि सूचना एवं जनसंपर्क के संयुक्त निदेशक अरुण जोशी जैसे अधिकारियों की पत्रकारों के प्रति एक तरफ़ा व पक्षपात की नीति कांग्रेस के अस्तकाल का कारण बनेगी। अरुण जोशी मनमानी कर कुछ चहेते पत्रकारों को समय-समय पर लाभान्वित तो करते ही हैं और तो और सीएम या अन्य किसी भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ चुनिंदा पत्रकारों को सूचीबद्ध कर शेष मीडियाकर्मियों के साथ दुभात करते नज़र आते हैं।

मीडिया का स्तर उसकी ख़बरों से आंका जाता है न कि उसके केवल नाम से यह अरुण जोशी जैसे अधिकारियों की समझ से बाहर की बात है। इनकी अभद्र,अनैतिक व पक्षपात की अनर्गल कार्यप्रणाली व व्यवहार अशोक गहलोत के सौम्य व्यवहार एवं पत्रकारों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार को नजर लगाने के साथ ही कॉंग्रेस सरकार को ग्रहण लगाने का काम कर रहा है।

बैसाखी पर्व पर कीर्तन दरबार का आयोजन

सुबह श्री गोविन्द सिंह पार्क गुरुनानकपुरा, राजापार्क में एवं रात्रि में गुरुद्वारा राजापार्क में होगा बड़ा आयोजन

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के जॉइंट सेक्रेटरी हरविंदर सिंह जी से बैसाखी पर्व पर हुई बातचीत के अंश-

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजधानी का दिल राजापार्क है और उसकी धड़कन है गोविंद मार्ग स्थित गुरुद्वारा।

भारत में सिख समाज आस्था,दर्शन,उत्साह और त्याग बलिदान में एक विशेष पहचान रखता है। देश की परम्परा और संस्कृति की जीवंतता इनके जीवन जीने के तरीक़े,खान-पान और वेशभूषा से महसूस की जा सकती है। देश की आज़ादी में विशेष योगदान देने वाला सिख समाज हर्षोल्लास और उत्साह में भी अपनी एक विशेष पहचान रखता है।

बैसाखी पर्व को सिख समुदाय के लोग प्रतिवर्ष नए साल के रूप में मनाते हैं। इस दिन सिख समुदाय के लोग ढोल-नगाड़ों पर नाचते-गाते हैं। गुरुद्वारों को सजाया जाता है। साथ ही भजन-कीर्तन कराए जाते हैं। लोग एक-दूसरे को नए साल की बधाई देते हैं। घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। लोग अपने घरों को लाइटिंग से सजाते हैं। इस दिन कई जगह मेले भी लगते हैं। यह पर्व पूरे भारत में मनाया जाता है। जयपुर में राजापार्क पंजाबी बाहुल्य का क्षेत्र है ऐसे में यहाँ की शोभा इस दिन देखने लायक़ होती है।

बैशाखी पर्व के बारे में बताएँ और इस पर्व पर क्या तैयारियाँ आपने की हैं गुरुद्वारे में?

उत्तर हरविंदर सिंह जी-

बैसाखी का त्यौहार दो उद्देश्य से मनाते हैं। यह फसलों की कटाई का वक़्त होता है और इस उत्सव को हर्षोल्लास से मनाया जाता है। साथ ही बैसाखी के दिन सिख धर्म के 10वें और अंतिम गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी ने 13 अप्रैल सन् 1699 में आनंदपुर साहिब में खालसा पंत की नींव रखी थी। खालसा मतलब खालिस बंदा यानी प्योर पवित्र.... जिसका उद्देश्य समाज में समरसता फैलाना और समाज की सेवा करना है। इसमें गुरु गोविंद सिंह जी ने पाँच प्यारे बनाये और उन्हें अमृत चखाया और स्वयम भी उनसे अमृत चखा। बैसाखी पर्व तैयारियाँ ज़ोरों पर है गुरुनानकपुरा में आज बैसाखी पर्व पर कई कार्यक्रम होंगे।बहुत बड़ा कीर्तन दरबार का आयोजन श्री गोविन्द सिंह पार्क गुरुनानक पुरा, राजापार्क में आयोजित होगा। दीवान में कीर्तन करने वाले दिल्ली अमृतसर से दूर दूर से आये हैं।

दीवान से क्या अभिप्राय है?

दीवान कीर्तन दरबार के हिसाब से किया जाता है। जिसमें कीर्तन होते हैं।इसे खालसा साजना दिवस कहते हैं। कल इसका आयोजन जैसा कि मैंने आपको बताया श्री गोविन्द सिंह पार्क गुरुनानक पुरा,राजापार्क में दीवान का आयोजन होगा।

पूरे देशवासियों को बैसाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

जयपुर बम ब्लास्ट मामले पर बोले डीजीपी

मामले की करेंगे इंटरनल ऑडिट: मिश्रा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपियों को हाई कोर्ट द्वारा बरी करने के बाद पुलिस मुख्यालय ने एसएलपी दायर करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया है। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सोमवार को बताया कि आरोपियों को बरी करने के निर्णय में कोर्ट ने जो कमियां बताई हैं, उन पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। इस मामले में इंटरनल ऑडिट करेंगे। कोर्ट ने सीसीटीवी पेश नहीं करने पर सवाल किया था, जबकि उस समय सीसीटीवी थे ही नहीं। कोर्ट ने रेल टिकट बरामद की बात कही, लेकिन एक आतंकी टिकट क्यों रखेगा। इसी तरह सभी तथ्यों को देखा जाएगा। उस समय की परिस्थिति को एनालिसिस किया जाएगा। इस मामले में इंक्वायरी चल रही है।

पकड़े गए 20,542 बदमाश

डीजीपी ने प्रदेश में अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए गए अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि दो माह में अपराधियों पर पुलिस का 'व्रज प्रहार अभियान' चलाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस की 5137 टीमों ने 20,542 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इससे प्रदेश में मार्च में अपराध 9 फीसदी घटे हैं। राजस्थान में हरियाणा बेस्ड गिरोह पहले श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे, लेकिन कुछ समय से अन्य स्थानों पर भी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री सलाहकार एवं नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा पर जबरन अवैध कब्ज़ा और चोरी करने के आरोप

डॉ शिव गौतम व पत्नी राज्यश्री की बापूनगर एसबी 164 की हवेली षड्यंत्र कर हथियाने का आरोप

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार पर ग्रहण हैं इस तरह के विधायक और सलाहकार

डॉ शिव गौतम की पत्नी यानी दिवंगत आचार्य द्विविजेश की बहन राज्यश्री ने आरोप लगाया है कि राजनीतिक रसूख के चलते उनकी करोड़ों रुपये की सम्पत्ति को विधायक और सीएम ओएसडी राजकुमार शर्मा ने षडयंत्र से किया है खुद के नाम!

प्लॉट न. एसबी-164,बापूनगर, जयपुर हवेली जिसे राजकुमार शर्मा द्वारा हड़पा गया है।

सीएम सलाहकार एवं नवलगढ़ विधायक राजकुमार शर्मा

आचार्य द्विविजेश के दामाद डॉ शिव गौतम (राज्य श्री के पति)

आचार्य द्विविजेश की बहन राज्यश्री गौतम

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार) मनोचिकित्सक शिव गौतम की पत्नी राज्य श्री गौतम ने मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं नवलगढ़ विधायक डॉ राजकुमार शर्मा पर प्लॉट नम्बर एस बी-164, गाँधी नगर मार्ग, बापू नगर पर कब्ज़ा करने का आरोप लगाया और गाँधी नगर थाने में एफ आई आर दर्ज़ करवाई।

राज्यश्री ने 12 अप्रैल को प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर मीडिया को बताया कि उनके बड़े भाई स्वर्गीय आचार्य द्विजेश शर्मा, उनके यानी राज्यश्री के प्लॉट नम्बर एस बी-164 पर काफी लंबे समय से रह रहे थे। बीच-बीच में राज्य श्री अपने पति शिव गौतम के साथ अपने बड़े भाई द्विजेश शर्मा जी से मिलने भी जाती थीं और उनकी मृत्यु के पश्चात राज्य श्री गौतम अपने परिवार के साथ तीन दिन तक उपरोक्त प्लॉट पर रही और बाद में जब पुनः राज्य श्री उक्त प्लाट पर अंतिम संस्कार से सम्बंधित शेष कर्म-क्रियाओं को करने के लिए आई तो उन्हें परिवार के साथ राजकुमार शर्मा के लोगों ने अंदर नहीं जाने दिया क्योंकि राजकुमार शर्मा ने अपने भाई राजपाल शर्मा, अपने साथी कमलकांत शर्मा उर्फ़ कमलचन्द्र एवं उमेश शर्मा के साथ मिलकर उक्त प्लाट पर कब्ज़ा कर लिया था साथ ही विभिन्न समाचार पत्रों में शोकाकुल सन्देश में परिजन के रूप में केवल स्वयं के व अपने पुत्र के नाम को अंकित किया। और स्वयं को आचार्य द्विजेश का निकटम रिश्तेदार बताने का झूठा भी प्रयास किया।

राज्यश्री ने उपरोक्त प्लॉट के सम्बंधित स्वयम के मालिकाना हक़ के कागज़,बिजली,पानी,यूडी टेक्स के बिल और व अन्य साक्ष्य मीडिया के सम्मुख प्रस्तुत किये और राजकुमार शर्मा एवं उसके साथियों के विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही करने की बात कही।

स्मरण रहे कि यह वही विधायक राजकुमार शर्मा हैं जिनकी तीन शादी की ख़बर दो दिन पूर्व प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित हुई और एक पत्नी ने डेढ़ लाख रुपये मासिक ख़र्च का परिवाद भी दिया है। इसी के साथ जयपुर कॉलेज नाना जी की हवेली पर आचार्य द्विविजेश की संपत्ति पर कब्ज़ा कर बहुमंज़िला अवैध निर्माण किया है जिसकी स्वीकृति नगर निगम हैरीटेज से नहीं ली गयी है। यूनिसेफ के विश्व धरोहर की सूची में आने के बाद परकोटे में नव निर्माण के लिए कोई स्वीकृति नहीं दी जा सकती है। आगे परत-दर-परत और होंगे खुलासे राजकुमार शर्मा द्वारा किये गए कब्ज़े,अवैध निर्माण,अतिक्रमण और कुकृत्यों के।

गहलोत सरकार को गंभीरता से इस तरह के विवादित विषयों पर तुरंत एक्शन लेना चाहिए।

दख़ल

कूनो में चीतों को संभालना ज़रूरी

चिड़ियाघरों में चीतों की आयु 15-16 वर्ष तक देखी गई है। इनकी औसत उम्र 20 साल होती है। दरअसल एक ओर तो हम विलुप्त होते प्राणियों के संरक्षण में लगे हैं, दूसरी तरफ आधुनिक विकास इनके प्राकृतिक आवास उजाड़ रहा है। पर्यटन से हम आमदनी की बात चाहे जितनी करें, लेकिन पर्यटकों को बाघ, तेंदुआ व अन्य दुर्लभ प्राणियों को निकट से दिखाने की सुविधाएं, इनके स्वाभाविक जीवन को अंततः बुरी तरह प्रभावित करती हैं।

भारतीय स्वतंत्रता के अमृतकाल में यह प्रसन्नता की बात है कि कूनो में सियाया नाम की नामीबियाई मूल की मादा चीता ने चार शावकों को जन्म दिया है। 76 साल पहले भारत की धरती से चीतों की प्रजाति के लुप्त होने के बाद भारतीय वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में यह पहली अनूठी और उल्लेखनीय घटना है। यह वंशवृद्धि इसलिए भी आशा की किरण है, क्योंकि 27 मार्च 2023 को साशा नामक मादा की मौत हो गई थी। इससे कुछ समय के लिए इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सवाल खड़े किए जाने लगे थे लेकिन अब चार शावकों के जन्मने के बाद उद्यान में चीतों की संख्या 23 हो गई है। इनमें 19 वयस्क हैं, जो प्रजनन में सक्षम हैं। ऐसी भी जानकारी है कि एक और मादा गर्भवती है। बीते वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में एक भव्य समारोह आयोजित करके छोड़ा था।

इन चीतों के यहां के जलवायु में ढलने की आशंकाएं आरंभ से ही उठ रही थीं, जो मादा चीता साशा की बीमारी से मौत के बाद परिणाम में बदलती दिख रही है। वन्य-प्राणी विशेषज्ञ इस मौत का कारण किडनी खराब (रीनल फेल्योर) होना बता रहे हैं। साशा 22 जनवरी से बीमार थी। निर्जलीकरण के चलते उसे तरल भोजन दिया जा रहा था। यह तो ठीक है, लेकिन इस मौत के इतिहास में दो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। एक राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के एडीजी एसपी यादव का कहना है कि भारत आने से पहले ही यह चीता बीमार था। क्योंकि इसकी बीमारी सामने आने के बाद नामीबिया के चीता फाउंडेशन से इसके उपचार का इतिहास बुलाया गया। इसी से इसकी बीमारी का पता चला। 15 अगस्त 2022 को इसके लिए गए खून के नमूने से ज्ञात हुआ कि इसमें क्रिएटिनिन का स्तर 400 से ज्यादा है।

दूसरी जानकारी मिली कि नामिबिया में रहते हुए इसने प्लास्टिक की गेंद को खा लिया था। जिसे शल्य क्रिया के बाद पेट से निकाला गया। ऐसे बीमार चीते को भारत नहीं भेजा जाना चाहिए था। अलबत्ता सवाल यह भी उठता है कि भारत से कई मर्तबा वनाधिकारियों और वन्यजीव चिकित्सकों का दल नामिबिया इनके परीक्षण के लिए गया था, तब उन्होंने क्यों चीतों के चिकित्सा इतिहास को देखा? दरअसल चीतों को भारत लाने के बहाने इन अधिकारियों की रुचि सैर-सपाटे में कहीं ज्यादा रही, अन्यथा इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई? यह जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके बाद यहीं 12 चीते और छोड़े गए थे। यह संयोग ही है कि करीब 76 साल पहले भारत की धरती से चीते विलुप्त हो गए थे, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से चीतों के पुनर्वास की अनुमति मध्यप्रदेश सरकार के वन-विभाग को मिली थी। यह अनुमति राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की याचिका पर दी गई थी। टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त मध्य-प्रदेश में इन चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाकर कूनो-पालपुर अभ्यारण्य में नया ठिकाना बनाया गया। यहां पिछले दो दशक से चीतों को बसाने की तैयारी के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाई जा रही थीं। दरअसल, चीते को घास के मैदान वाले जंगल पसंद हैं और कूनो में घास के जंगल न्यूनतम हैं।हालांकि घास के नए मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

एक समय था जब चीते की रफ्तार भारतीय वनों की शान हुआ करती थी। लेकिन 1947 के आते-आते चीतों की आबादी पूरी तरह लुप्त हो गई। 1948 में अंतिम चीता छत्तीसगढ़ के सरगुजा में देखा गया था। जिसे मार गिराया गया। चीता तेज रफ्तार का आश्चर्यजनक चमत्कार माना जाता है। अपनी विशिष्ट एवं लोचपूर्ण देहयष्टि के लिए इस वन्य जीव की अलग पहचान थी। शरीर में इसी चपलता के कारण यह जंगली प्राणियों में सबसे तेज दौड़ने वाला धावक है। इसलिए इसे जंगल की बिजली भी कहा गया। हालांकि भारत में चीतों के पुनर्वास की कोशिशें असफल रही हैं। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका के जंगलों से 1993 में दिल्ली के चिड़ियाघर में चार चीते लाए गए थे, लेकिन छह माह के भीतर ही ये चारों चीते मर गए। चिड़ियाघर में इनके आवास, परवरिश व प्रजनन के पर्याप्त उपाय किए गए थे, लिहाजा उम्मीद थी कि यदि इनकी वंशवृद्धि होती है तो अन्य चिड़ियाघरों व अभ्यारण्यों में ये चीते स्थानांतरित किये जाएंगे। हालांकि चीतों द्वारा चिड़ियाघरों में प्रजनन अपवाद घटना ही होती है।

नतीजतन प्रजनन संभव होने से पहले ही चीते मर गए। वैसे चीते 90 दिन गर्भधारण के बाद बच्चे जन्मते हैं। मादा तीन माह दूध पिलाती रहने के बाद इन्हें प्रकृति की गोद में स्वतंत्र विचरण के लिए छोड़ देती है। बीती सदी में चीतों की संख्या एक लाख तक थी, लेकिन अफ्रीका के खुले घास वाले जंगलों से भारत सहित लगभग सभी एशियाई देशों में पाया जाने वाला चीता अब पूरे एशियाई जंगलों में गिनती के रह गए हैं। राजा चीता (एसिनोनिक्स रेक्स) जिम्बाब्वे में मिलता है। अफ्रीका के जंगलों में भी गिने-चुने चीते रह गए हैं। तंजानिया के सेरेंगती राष्ट्रीय उद्यान व नामीबिया के जंगलों में गिने-चुने चीते हैं। प्रजनन के तमाम आधुनिक व वैज्ञानिक उपायों के बावजूद जंगल की इस फुर्तीली नस्ल की संख्या बढ़ाई नहीं जा पा रही है। यह प्रकृति के समक्ष वैज्ञानिक दंभ की नाकामी है। जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन की रिपोर्ट को मानें तो दुनिया में 91 प्रतिशत चीते 1991 में ही समाप्त हो गए थे। अब केवल 7100 चीते पूरी दुनिया में बचे हैं। एशिया के ईरान में केवल 50 चीते ही शेष हैं। केन्या के मासीमारा क्षेत्र को चीतों का गढ़ माना जाता था, लेकिन अब इनकी संख्या गिनती की रह गई है।

बीती सदी के पांचवे दशक तक चीते अमेरिका के चिड़ियाघरों में भी थे। प्राणी विशेषज्ञों की अनेक कोशिशों के बाद इन चीतों ने 1956 में शिशुओं को जन्म भी दिया, परंतु किसी भी शिशु को बचाया नहीं जा सका। चीते द्वारा किसी चिड़ियाघर में जोड़ा बनाने की यह पहली घटना थी, जो नाकाम रही। जंगल के हिंसक जीवों का प्रजनन चिड़ियाघरों में आश्चर्यजनक ढंग से प्रभावित होता है, इसलिए शेर, बाघ, तेंदुए और चीते चिड़ियाघरों में जोड़ा बनाने की इच्छा नहीं रखते हैं। भारत में चीतों की अंतिम पीढ़ी के कुछ सदस्य बस्तर-सरगुजा के घने जंगलों में थे, जिन्हें 1947 में देखा गया था। प्रदेश या भारत सरकार इनके संरक्षण के जरूरी उपाय करने हेतु हरकत में आती, इससे पहले चीतों के इन अंतिम वंशजों को भी शिकार के शौकीन राजाओं ने मार गिराया और वन की इस तेज गति के ताबूत में अंतिम कील भी ठोंक दी। इस तरह भारतीय चीतों की नस्ल पर पूर्ण विराम लग गया था।

हमारे देश के राजा-महाराजाओं को घोड़ों और कुत्तों की तरह चीते पालने का शौक था। चीता शावकों को पालकर इनसे जंगल में शिकार कराया जाता था। राजा लोग जब जंगल में आखेट के लिए जाते थे, तो प्रशिक्षित चीतों को बैलगाड़ी में बिठाकर साथ ले जाते थे। इनकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती थी, जिससे यह किसी मामूली वन्य जीव पर न झपटे। जब शिकार राजाओं की दृष्टि के दायरे में आ जाता था, तो चीते की आंखों की पट्टी खोलकर शिकार की दिशा में हाथ से इशारा कर दिया जाता था। पलक झपकते ही शिकार चीते के जबड़े में होता। शिकार का यह अद्भुत करिश्मा देखना भी एक आश्चर्यजनक रोमांच की बात रही होगी? फिर बाद में धीरे-धीरे चीतों का शिकार होने लगा और ये प्रजाति विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई। अब कूनो में फिर से चीतों के कुनबे को बढ़ाया जा रहा है।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

बाघों की संख्या ने दी नई खुशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघों का आंकड़ा जारी किया है। 2022 में देश में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। ताजा उपलब्धि की गति बनाए रखने बाघों के पर्यावास को निर्बाध बनाने के अलावा उनके संरक्षण के अन्य उपायों या विकल्पों पर भी काम किया जाए।

शेर-चीतों के पुनर्वास के बाद अब देश में बाघों की संख्या को लेकर खुशी सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघों का नया आंकड़ा जारी किया है। इस नए आंकड़े के अनुसार, साल 2022 में देश में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। पहले यह आंकड़ा 2967 का था। इस तरह देश में बाघों की संख्या में 200 की बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री ने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस का शुभारंभ किया और स्मारक सिक्का जारी किया। बाघों के संरक्षण की शुरुआत साल 1973 में नौ टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के साथ हुई थी। आज इनकी संख्या 53 टाइगर रिजर्व पहुंच गई है। इनमें से 23 टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली हुई है। 1973 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी। एक अप्रैल को इस प्रोजेक्ट के 50 साल पूरे हो गए हैं।

संरक्षित पशु के रूप में बाघों की घटती संख्या को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही है और इसमें सुधार के लिए तमाम अभियान चलाए गए। लेकिन इस मसले पर कोई अच्छी खबर नहीं मिल पा रही थी। बाघों की तादाद पर आए नए आंकड़े से यह साबित होता है कि इस मोर्चे पर इतने सालों के दौरान जो कवायदें की गईं, अब उनका सकारात्मक हासिल अब सामने आया है। प्रधानमंत्री ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उसे इस मोर्चे पर काफी उत्साहवर्धक कहा जा सकता है। बाघों की कम संख्या को देखते हुए संरक्षण को लेकर जिस तरह की चिंता जताई जा रही थी, उस लिहाज से तो ताजा आंकड़े काफी राहत भरे हैं। 2006 में जब बाघों की संख्या महज एक हजार 411 तक सिमट गई थी, तब इसे गंभीर समस्या के रूप में देखा गया था। दुनिया भर में बाघों के संरक्षण को लेकर जिस तरह के अभियान चल रहे थे, उसमें यह भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात थी।

उसके बाद से ही बाघों के संरक्षण व संख्या में बढ़ोतरी के लिए अभयारण्यों के विस्तार से लेकर उनके अनुकूल माहौल बनाने के तमाम उपाय किए गए और इसी का हासिल है कि बाघों की तादाद में संतोषजनक बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि ताजा सर्वेक्षण बाघों की संख्या में अच्छी बढ़ोतरी की राहत भरी खबर देता है, पर सच यह भी है कि अभी भी खतरा टला नहीं है। बाघों के पर्यावास वाले इलाकों में इंसानी आबादी के अलग-अलग तरीके से दखल की वजह से समस्या गहराती गई थी और यह चुनौती आज भी बनी हुई है। इसके अलावा, जिस सुंदरबन को बाघों के लिए सबसे मुफीद जगहों में से एक माना जाता रहा है, वहां भी बढ़ती समुद्री सतह की वजह से एक बड़े हिस्से के डूब जाने का संकट मंडरा रहा है। अगर यह स्थिति सामने आती है तो फिर बाघ मनुष्य के रिहाइश की ओर रुख कर सकते हैं। इसके बाद सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इंसान और बाघों के बीच कैसे टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

खुशहाली के पैमाने पर सवाल

'यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सल्यूशन नेटवर्क' ने हाल ही में विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2023 जारी की। यह रिपोर्ट डेढ़ सौ से अधिक देशों के सर्वेक्षण के आधार पर जारी की जाती है। इस वर्ष रिपोर्ट में 136 देशों को शामिल किया गया। इसमें खुशहाली को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया जाता है-सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य के साथ स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की स्थिति। एक बार फिर 'वैश्विक खुशहाली सूचकांक' में फिनलैंड सर्वोच्च स्थान पाने में कामयाब रहा। इसे लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान मिला है। डेनमार्क दूसरे व तीसरे स्थान पर आइसलैंड है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी शीर्ष बीस देशों के आंकड़ों में कुछ विशेष परिवर्तन नहीं हुए हैं। एक परिवर्तन यह है कि लिथुआनिया ने 20वें स्थान पर पहुंच कर शीर्ष 20 में अपनी जगह बना ली है।

वहीं भारत 136 देशों की सूची में 125वें स्थान पर है। जबकि सूची में पिछले साल 146 देश शामिल थे, तब भारत को 135वें स्थान पर रखा गया था। पिछली बार के मुकाबले भारत की 'रैंकिंग' में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन सूची में उसका नाम नेपाल, चीन और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देशों से भी नीचे है। यहां तक कि जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन भी इस सूची में भारत से आगे हैं। रूस 70वें और यूक्रेन 92वें पायदान पर है। अफगानिस्तान सबसे निचले पायदान पर है या कहें कि इस रिपोर्ट के मुताबिक, यह सबसे ज्यादा दुखी देश है। इसके अलावा पायदान में सबसे नीचे रहने वाले देशों में लेबनान, जिम्बाब्वे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो जैसे देश हैं। शीर्ष 20 देशों की सूची में एशिया का एक भी देश शामिल नहीं है। खुशहाली सूचकांक में किसी देश की स्थिति जानने के लिए उसकी जीडीपी, वहां जीवन की गुणवत्ता और जीवन प्रत्याशा को देखा जाता है।

जाहिर है, इस रिपोर्ट में वही मानक रखे गए हैं, जिन्हें लोगों को सामान्य जीवन जीने के लिए न्यूनतम माना गया है, पर अफसोस कि भारत इन पर खरा नहीं उतर पाया और हमारे पड़ोसी देश, जो खुद ही अपनी आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक मुश्किलों और बदहाली से जूझ रहे हैं, वे खुशहाली के मामले में भारत से आगे निकल गए। सवाल है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। इस पर भी आत्ममंथन की जरूरत है। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है। यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना,

सवाल है कि अगर सकल घरेलू उत्पाद खुशी को मापने का पैमाना है, तो उस पर भी कैसे सवा सौ देश भारत से बेहतर हो सकते हैं? अगर भ्रष्टाचार में कमी या उसकी गैरमौजूदगी खुश होने का आधार है, तो अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश कैसे भारत से बेहतर हैं? असल में जिन छह पैमानों पर खुशी को मापा गया है, वे अपने आप में अधूरे हैं। भारत के विकास को यह सर्वे झूठा करार देने में लगा है।

स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है। रिपोर्ट का मकसद विभिन्न देशों के शासकों को आईना दिखाना है कि नीतियां लोगों की जिंदगी खुशहाल बनाने में भूमिका निभा रही हैं या नहीं?

खैर, दुनिया में खुशहाली मापने की रिपोर्ट कुछ संदेह पैदा करती है। पिछले साल भारत से ऊपर जिन देशों को रखा गया था, उनमें कई देश राजनीतिक और आर्थिक संकटों से जूझ रहे थे। जैसे, मैक्सिको को 46वां स्थान दिया गया था। दुनिया जानती है कि यह देश सालों से आंतरिक मादक पदार्थ के युद्ध में फंसा हुआ है। वहां इतनी गरीबी है कि उसके नागरिक बेहतर जिंदगी की तलाश में अमेरिका में अवैध घुसपैठ करते हैं। इसलिए अमेरिका को मैक्सिको के साथ लगने वाली अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर दीवार खड़ी करनी पड़ गई थी। ऐसे ही, पिछले साल चीन को 72वां स्थान दिया गया था। क्या यूरोप और अमेरिका इस बात से अनजान हैं कि उनके देशों की बड़ी-बड़ी तकनीकी कंपनियां चीन में व्यापार नहीं कर सकतीं? वहां बीते सात दशक से लोकतंत्र नहीं है और एक ही पार्टी की सरकार है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने हांगकांग, तिब्बत, ताइवान व मंगोलिया में जातीय जनसंहार किए हैं। जिन पर अमेरिका और यूरोप के तमाम विश्वविद्यालयों के शोध उपलब्ध हैं।

यही नहीं, कोरोना से पूरी दुनिया में मौतों का अकेला जिम्मेदार चीन था और आज भी वह इस महामारी से उबर नहीं सका है। पिछले साल की रिपोर्ट में गृहयुद्ध व आतंकवाद से ग्रस्त लीबिया को 86वां, कैमरून को 102वां जबकि नाइजर को 104वां, नाइजीरिया को 118वां, माली को 123वां, चाड को 130वां, इथोपिया को 131वां और यमन को 132वां स्थान दिया गया था। जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका अपने दौर के सबसे बड़े वित्तीय संकट से गुजर रहे हैं और उन्हें क्रमश 121वां और 127वां स्थान दिया गया था। इस साल भी यही सब देश भारत से आगे हैं। सबसे आश्चर्यजनक तो यूक्रेन का स्थान है। पिछली बार जब वह रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहा था, तब उसे 98वां स्थान दिया गया था। आज भी वह जंग लड़ और दुनिया से मदद मांग रहा है। फिर भी यूक्रेन की खुशहाली पहले से बढ़ गई है। इस बार की रिपोर्ट में यूक्रेन को 92वें पायदान पर रखा गया है। क्या इससे बड़ा कोई पाखंड हो सकता है?

हालांकि देखा जाए तो इन देशों की जगह भी कोई अच्छी नहीं है, लेकिन विषम हालात के बावजूद भारत से अच्छी है। जबकि भारत में न तो कोई आर्थिक संकट है, न यह युद्ध से ग्रस्त है और न ही यहां राजनीतिक अस्थिरता है। कोरोना महामारी से निपटने में भी सरकारों की सकारात्मक भूमिका रही है। सवाल है कि अगर सकल घरेलू उत्पाद खुशी को मापने का पैमाना है, तो उस पर भी कैसे सवा सौ देश भारत से बेहतर हो सकते हैं? अगर भ्रष्टाचार में कमी या उसकी गैरमौजूदगी खुश होने का आधार है, तो अफ्रीका व लैटिन अमेरिका के देश कैसे भारत से बेहतर हैं? असल में जिन छह पैमानों पर खुशी को मापा गया है, वे अपने आप में अधूरे हैं। यह रिपोर्ट एक राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा कुछ और नहीं नजर आती।

यह माना जा सकता है कि भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत में कई तरह का भारत है। एक अमीर और खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 55 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे शहरों में इससे कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। खुश देशों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे डेनमार्क में 58.6 लाख लोग रहते हैं, तीसरे स्थान के देश आइसलैंड में तो महज 3.73 लाख लोग होते हैं। ऐसे में इन देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती है।

देश में पिछले नौ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं, जिनका लाभ लोगों को मिल रहा है। भारत की गिनती इस समय विश्व के सबसे युवा देश में हो रही है। फिर भी 'वैश्विक खुशहाली सूचकांक' में भारत को कमतर आंकना सवाल खड़े करता है। निश्चित ही वैश्विक स्तर पर खुशहाली का यह सूचकांक देश के बहुआयामी विकास का एक आईना है। देश के समावेशी विकास को अगर यह आईना झुठलाता है तो इस विषय पर गंभीर चिंतन-मनन की आवश्यकता है। इस तरह के सर्वे पर सरकार को तत्काल जवाब देने की जरूरत है।

रवि शंकर
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

देश में बाघों के संरक्षण और उनकी सुरक्षा में प्रोजेक्ट टाइगर ने अग्रणी भूमिका निभाई है। यह प्रोजेक्ट प्रकृति की रक्षा के साथ भारतीय संस्कृति का हिस्सा है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए गर्व का विषय है। भारत दुनिया भर में बाघों के संरक्षण की मुहिम का नेतृत्व करने को तैयार है।

भूपेंद्र यादव, वन एवं पर्यावरण मंत्री

सत्यार्थ

प्रेरणा का स्रोत

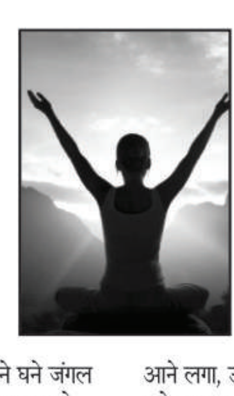

एक बार एक राजा की सेवा से प्रसन्न होकर एक साधु ने उसे एक ताबीज दिया और कहा कि राजन इसे अपने गले मे डाल लो और जिंदगी में कभी ऐसी परिस्थिति आए जब तुम्हें लगे कि बस अब तो सब खत्म होने वाला है, परेशानी के भंवर में अपने को फंसा पाओ तब तुम इस ताबीज को खोल कर इसमें रखे कागज को पढ़ना, उससे पहले नहीं! राजा ने वह ताबीज अपने गले मे पहन लिया! एक बार राजा अपने सैनिकों के साथ शिकार करने घने जंगल मे गया! एक शेर का पीछा करते करते राजा अपने सैनिकों से अलग हो गया और दुश्मन राजा की सीमा में प्रवेश कर गया, घना जंगल और सांझ का समय, तभी कुछ दुश्मन सैनिकों के घोड़ों की टापों की आवाज राजा को आई और उसने भी अपने घोड़े को एड लगाई, राजा आगे आगे दुश्मन सैनिक पीछे पीछे! बहुत दूर तक भागने पर भी राजा उन सैनिकों से पीछा नहीं छुड़ा पाया! राजा को एक गुफा दिखी, उसने तुरंत स्वयं और घोड़े को उस गुफा की आड़ में छुपा लिया! दुश्मनों से घिरे हुए अकेले राजा को अपना अंत नजर आने लगा, उसे लगा की बस कुछ ही क्षणों में दुश्मन उसे पकड़ कर मौत के घाट उतार देंगे! वो जिंदगी से निराश हो ही गया था कि उसका हाथ अपने ताबीज पर गया और उसे साधु की बात याद आ गई! उसने तुरंत ताबीज को खोल कर कागज को बाहर निकाला और पढ़ा! उस पर्ची पर लिखा था यह भी कट जाएगा। राजा को अचानक ही जैसे घोर अंधकार में एक ज्योति की किरण दिखी, डूबते को जैसे कोई सहारा मिला! उसे अचानक अपनी आत्मा मे एक अकथनीय शान्ति का अनुभव हुआ! उसे लगा की सचमुच यह भयावह समय भी कट ही जाएगा, फिर मैं क्यों चिंतित होऊं! अपने प्रभु और अपने पर विश्वास रख उसने स्वयं से कहा कि हां, यह भी कट जाएगा! और हुआ भी यही, दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज पास आते आते दूर जाने लगी, कुछ समय बाद वहां शांति छा गई! राजा रात में गुफा से निकला और किसी तरह अपने राज्य में वापस आ गया!

एक नज़र

आरयू में NSUI का 53वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

NSUI कराएगी प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई ने अपने 53वें स्थापना दिवस पर राजस्थान के युवाओं को आईएएस, आरएएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी कराने का तोहफा दिया है। स्थापना दिवस पर राजस्थान विश्वविद्यालय के एपीटीसी सेंटर और 'एक पहल इंडिया' के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क सेटेलाइट कक्षाओं का शुभारंभ मुख्यमंत्री गहलोत ने किया। राजस्थान यूनिवर्सिटी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। इस दौरान उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा ही बेहतर भविष्य की नींव होती है। राजीव गांधी वेलफेयर सोसायटी की ओर से शुरू 'एक पहल इंडिया' कार्यक्रम प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। निशुल्क कोचिंग के लिए राज्य सरकार के साथ संस्थाओं की भागीदारी से युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। युवाओं का मार्ग प्रशस्त करने के लिए राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्णय ले रही है।

मंत्री जोशी ने की 21 लाख रुपए देने की घोषणा

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री महेश जोशी ने एपीटीसी सेंटर में चलने वाली कोचिंग के सुव्यवस्थित संचालन एवं आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 21 लाख रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा की। साथ ही अपने विधानसभा क्षेत्र हवामहल के पांचों कॉलेजों के लिए भी 21-21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

सरकारी योजनाओं की लगाई प्रदर्शनी

एनएसयूआई ने स्थापना दिवस पर यूनिवर्सिटी के घूमर ग्राउंड में राज्य सरकार की चार वर्ष की योजनाओं और उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहली बार संसद में ऑटो रिक्शा से जाने वाली फोटो से लेकर, उनकी नाई की थड़ी वाले कार्यालय, खाद बीज की दुकान जैसे पुराने चित्रों से उनके जीवन काल को दिखाया गया है।

एक मई से शुरू होंगी कक्षाएं: एक पहल इंडिया के अमित देव ने बताया कि प्रदेश के सभी सरकारी महाविद्यालयों में राजस्थान विवि के एपीटीसी सेंटर से ऑनलाइन कक्षाओं का प्रसारण होगा।

24 अप्रैल से 30 जून तक लगेंगे कैंप

सौगातों के सौपान पर सरकार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सरकार की ओर से बजट में की गई जन कल्याण की घोषणाएं जल्द ही राहत बनकर आमजन के दर तक पहुंचने वाली हैं। योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर राज्य सरकार ने खाका तैयार कर लिया है। प्रदेश में कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से वंचित न रहे, इसी को ध्यान में रखते हुए राहत कैंप भी लगाए जाएंगे। राज्य सरकार के निर्देश पर 24 अप्रैल से 30 जून तक महंगाई राहत कैंप के साथ प्रशासन गांवों के संग अभियान और प्रशासन शहरों के संग अभियान भी चलाया जाएगा। इनमें अलग-अलग विभागों से जुड़े कर्मचारी आमजन को सरकार की योजनाओं के बारे में बताएंगे।

30 अगस्त से मिलेंगे स्मार्टफोन

महिलाओं को डिजीटल योजना का लाभ 30 अगस्त से, पशुपालन विभाग की लंपी एक्सग्रेशिया योजना का लाभ 10 अप्रैल से, विश्वकर्मा कामगार का 1 जून से, लोक कलाकार स्कीम का लाभ 14 अप्रैल से मिलना शुरू हो जाएगा। वहीं खाद्य पैकेट 25 मई से और फ्री बिजली योजना का लाभ 1 जून से मिलेगा।

30 विभाग करेंगे प्रचार-प्रसार

सरकार के इस अभियान के जरिए राज्य सरकार की जन-कल्याण की योजनाओं, फ्लैगशिप योजनाओं और बजट 2023-24 के प्रावधानों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इन कैम्पों में करीब 30 विभाग मिलकर काम करेंगे। इसमें आमजन को महंगाई से राहत के साथ गैस सिलेंडर योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना, महात्मा गांधी नरेगा ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना में रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। साथ ही चिरंजीवी दुर्घटना बीमा की बढ़ी हुई बीमा राशि की जानकारी देने के साथ नवीन रजिस्ट्रेशन कर पॉलिसी किए दिए जाएंगे।

गांव-शहरों में लगाए जाएंगे शिविर

प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में 2 दिन शिविर लगाए जाएंगे। 11283 ग्राम पंचायतों में शिविर लगाने के लिए एसडीएम व आरएएस अधिकारियों को शिविर प्रभारी लगाया गया है। वहीं शिविर में महंगाई राहत कैंप के काउंटर लगाकर योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और रजिस्ट्रेशन किए जाएंगे। वहीं 240 नगरीय निकाय के 7500 वार्डों में वार्डवार दो दिवसीय शिविर लगेंगे। इसका जिम्मा आयुक्त, उपायुक्त, एसडीएम व आरएएस अधिकारी संभालेंगे। कैम्पों तथा अभियानों के अतिरिक्त समस्त जिलों में लगभग 2000 स्थाई महंगाई राहत कैम्पों का भी इस दौरान आयोजन होगा।

जीएसटी और वैट जमा कराना होगा आसान

राजस्थान में दो हजार 'टैक्स मित्र' की होगी नियुक्ति

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश की गहलोत सरकार दो हजार टैक्स मित्र नियुक्त करने जा रही है। सरकार के इस कदम से जीएसटी और मूल्य वर्धित कर (वैट) जमा कराना आसान हो जाएगा। ई-टैक्स ऑफिसर सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म को भी सरकार ने डेवलप करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को टैक्स मित्रों के नियोजन की योग्यताओं और फीस तय करने संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गहलोत ने व्यवहारियों को सेल्फ टैक्स स्क्रूटनी की फर्स्ट स्टेज फैसिलिटी उपलब्ध कराने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित ई-टैक्स ऑफिसर सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म विकसित करने की स्वीकृति भी दी है। टैक्स मित्र के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता वाणिज्य में स्नातक रखी है। सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए सहित अनुभवी आवेदकों को प्राथमिकता मिलेगी। "टैक्स मित्र' के लिए आयु सीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

चुकाना होगा 50 से 400 रुपए का शुल्क

टैक्स मित्रों की ओर से विभिन्न टैक्स संबंधी आवेदन प्रक्रियाओं के लिए फीस चार्ज की जाएगी। इस शुल्क का भी निर्धारण किया गया है। इसमें जीएसटी, वैट आवेदन, संशोधन, आईटीसी, ई-वे बिल, सब्सिडी आवेदन, एमएसएमई आवेदन सहित अन्य कार्यों के लिए 50 रुपए से 400 रुपए तक का शुल्क रखा गया है। मुख्यमंत्री ने साल 2023-24 के बजट में जीएसटी और वैट आवेदन प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए इस संबंध में घोषणा की थी।

प्रदेश: 1369 नए पदों का होगा सृजन

कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए खुलेंगे नए थाने व चौकियां

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्स सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नए थाने और चौकियां खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिसके चलते राजस्थान पुलिस के 1309 नए पद सृजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को नए पुलिस कार्यालयों, थानों और चौकियों को खोलने की मंजूरी दी है। उन्होंने नए पदों के सृजन और अन्य आवश्यक संसाधनों के लिए लगभग 201 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी। इसके तहत वैर (भरतपुर), परबतसर (नागौर), खैरवाड़ा (उदयपुर), एडीएफ (धौलपुर) एवं लालसोट (दौसा) में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोले जाएंगे। इसी प्रकार अरनोद (प्रतापगढ़), तालेड़ा (बूंदी), पहाड़ी (भरतपुर), गंगाशहर (बीकानेर), रामसर (बाड़मेर), बौंली (सवाईमाधोपुर), खण्डेला (सीकर), अजीतगढ़ (सीकर), सिवाना (बाडमेर) एवं आहोर (जालौर) में उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोले जाएंगे। इनके लिए उप पुलिस अधीक्षक, हेड कांस्टेबल एवं कनिष्ठ सहायक के 1-1 तथा कांस्टेबल मय ड्राइवर के 4-4 पद कुल 63 पद बनाए जाएंगे।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ेगी सुरक्षा

वैशाली नगर (अलवर), मुक्ता प्रसाद नगर (बीकानेर), श्रीनाथ जी (राजसमंद), गोकुलपुरा (सीकर) एवं सदर पुलिस थाना बयाना (भरतपुर) में नए शहरी पुलिस थाने खुलेंगे, जबकि बासदयाल (अलवर), हदां (बीकानेर), राहुवास (दौसा), तनोट (जैसलमेर) एवं गोठड़ा (झुंझुनूं) में नया ग्रामीण थाने खुलेंगे।

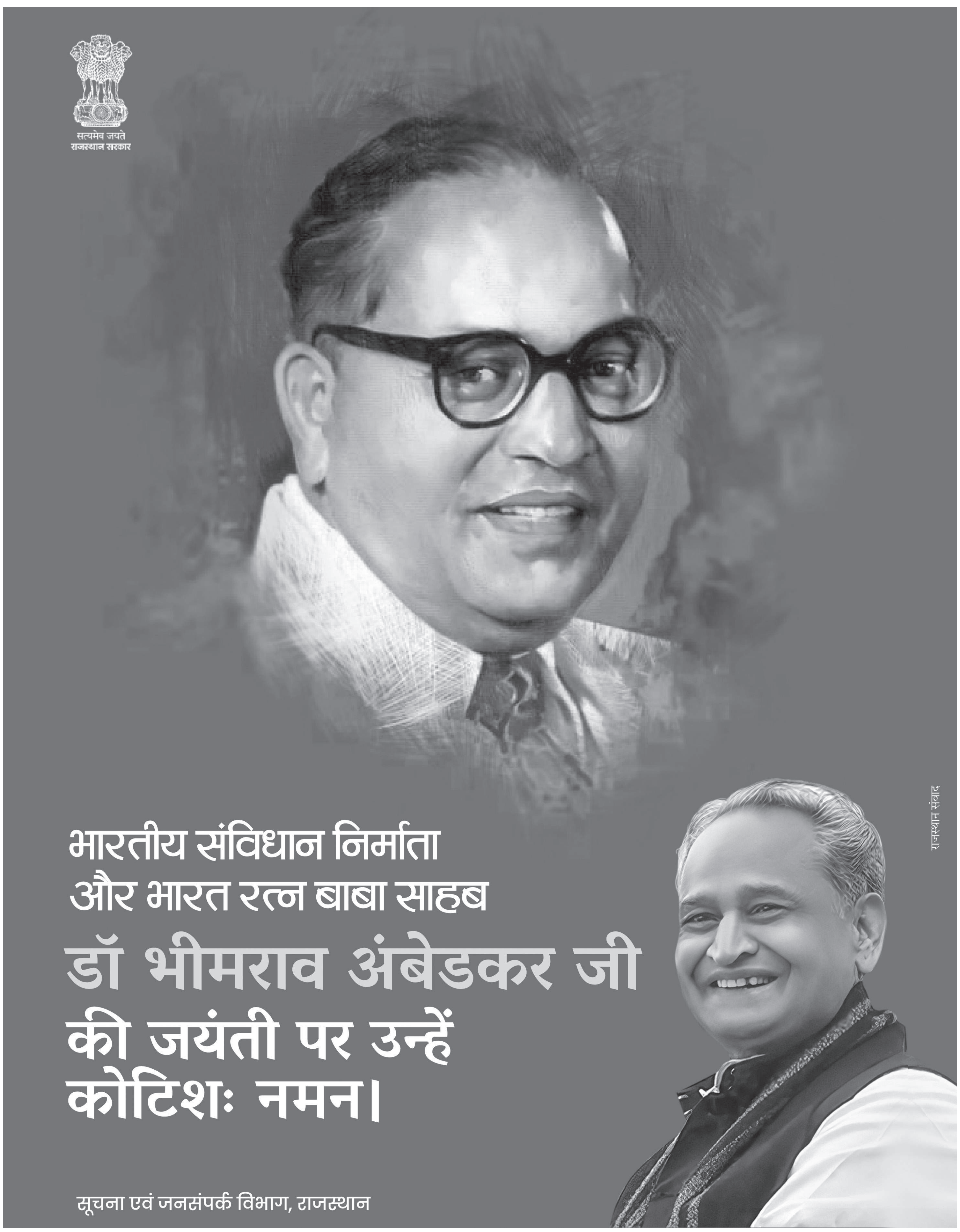

चुनावी साल में PM मोदी ने राजस्थान को दी वंदे भारत ट्रेन की सौग़ात

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है और इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा पूरी जोर-आजमाइश की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में 13 अप्रैल (बुधवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को पहली वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी। पीएम मोदी ने 12 अप्रैल, 2023 को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जयपुर से दिल्ली कैंट के लिए रवाना हुई वंदे भारत ट्रेनः पहली ट्रेन जयपुर से दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन के बीच चलेगी। इसकी नियमित सेवा 13 अप्रैल, 2023 से शुरू हो गयी। गाड़ी संख्या 09617 वंदे भारत ट्रेन जयपुर जंक्शन से रवाना होकर गांधीनगर, बस्सी, दोसा, बांदीकुई, राजगढ़, अलवर, खैरतल, रेवाड़ी, पटौदी रोड, गढ़ी हरसरू और गुड़गांव स्टेशनों पर होते हुए दिल्ली कैंट पहुंची।

हफ्ते में 6 दिन चलेगी अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारतः वंदे भारत 13 अप्रैल से गाड़ी संख्या 20977 अजमेर-दिल्ली कैंट बुधवार को छोड़कर हफ्ते में 6 दिन चलेगी. ये ट्रेन अजमेर से चलाई जाएगी और दिल्ली कैंट स्टेशनपर इस सफर का अंत होगा।वंदे भारत ट्रेन जयपुर, अलवर और गुड़गांव में ठहराव के साथ दिल्ली कैंट पहुंचेगी.

पायलट-गहलोत विवाद में कांग्रेस हाईकमान को कमल से उम्मीद !

सूत्रों के अनुसार कमलनाथ ने गुरुवार को दिल्ली में सचिन पायलट और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और अशोक गहलोत के साथ मतभेदों को सुलझाने के तरीकों पर चर्चा की है

हिलव्यू समाचार

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान में पंजाब के हालात न बन जाएँ इसी अंदेशे को टालने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की मध्यस्थता के साथ अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच विवाद ख़त्म किए जाने की आशाएं आलाकमान ने बाँध ली हैं। सूत्रों के अनुसार कमलनाथ ने गुरुवार को दिल्ली में पायलट और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से दोनों गुटों के बीच मतभेदों को सुलझाने के तरीकों पर चर्चा की है। हालांकि बहुत समय से सचिन पायलट से कमलनाथ बात करते रहे हैं। सूत्रों के अनुसार ज्ञात हुआ है कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से अनुशासन को लेकर कार्यवाही कुछ दिनों तक टाल दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष बाहर हैं। कमलनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष तक अपनी बात पहुंचा दी है। इस मामले में बिना गांधी परिवार की सलाह के कोई भी फैसला नहीं लिया जाएगा।सचिन पायलट ने भी दिल्ली जाकर अपनी बात कांग्रेस नेताओं के सामने रख दी है। स्मरण है कि पायलट ने राजस्थान की पिछली भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ इस सप्ताह एक दिन का अनशन किया उन्होंने वसुंधरा राजे पर आरोप लगाते हुए अपनी ही पार्टी की सरकार को निष्क्रिय बताया। इसे इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सचिन पायलट द्वारा खुद को भविष्य में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए उठाए गए कदम के रूप में भी देखा गया। पार्टी नेतृत्व ने अब अपना रुख बदल दिया है और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि पायलट ने कमलनाथ और वेणुगोपाल को अपनी शिकायतों से अवगत कराया और पार्टी से उचित व्यवहार अपनाने की मांग की है। सूत्रों के आधार पर ज्ञात हुआ है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीच शांत करने और एक ऐसा समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं जिससे संकट पैदा न हो।पायलट के करीबी सूत्रों का कहना है कि उन्हें एक परे धकेला जा रहा है. जिस तरह से नए राज्य प्रभारी ने राजस्थान में मुद्दों और चिंताओं को समझे बिना पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण अपना लिया है उससे पायलट गंभीर हो गए हैं।

स्मृति- जन्मदिन पर विशेष

सुर की सरताज़ शमशाद बेगम

कुलदीप गुप्ता

कजरा मोहब्बत वाला अँखियों में ऐसा डाला..., ले के पहला पहला प्यार भर के आँखों में ख़ुमार ..., कभी आर कभी पार लागा तीर ए नज़र ..... जैसे अनगिनत शानदार गानों को अपनी सुरीली आवाज़ देकर लाखों लोगों के दिलों पर राज़ कर भारतीय फ़िल्म इंडस्ट्री को ऊँचाइयों पर पहुँचाने वाली एक ऐसी शख़्सियत जिनकी आवाज़ जितनी मधुर एवं सुंदर थी उतना ही सुंदर उनका व्यक्तित्व था इतने शानदार व्यक्तिव की धनी कोई और नहीं बल्कि मशहूर पार्श्व गायिका शमशाद बेगम थी जिनका आज जन्मदिन है।

14 अप्रैल 1919 को अमृतसर पंजाब में जन्म लेने वाली शमशाद बेगम भारतीय फ़िल्म इंडस्ट्री की प्रसिद्ध और प्रमुख पार्श्व गायिकाओं में से एक थी ।

16 दिसम्बर 1947 को पहली बार लाहौर के पेशावर रेडियो से अपनी मधुर आवाज़ से जनता के सामने आई और उसके बाद इन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पहली बार गाना गाने के लिए शमशाद बेगम को 15 रुपये का मेहनताना मिला था । शमशाद बेगम का बचपन से ही फ़िल्मों के प्रति रुझान था और इसी रुझान ने शमशाद बेगम को संगीत की दुनिया में उत्कृष्ट पार्श्व गायिका के रूप में स्थान दिलाया। शमशाद बेगम ने के एल सहगल अभिनीत देवदास फ़िल्म को चौदह बार देखा और उस वक़्त के प्रसिद्ध गायक एवम अभिनेता के.एल. सहगल से काफी प्रभावित थीं । इनके इस हुनर को सबसे पहले महान संगीतकार नौशाद और ओ पी नैय्यर ने पहचाना । 50 से लेकर 70 के दशक तक शमशाद बेगम सभी संगीतकारों की पहली पसंद थी शमशाद बेगम ने अपनी ज़िन्दगी को एक बहती नदी की तरह जिया और हर पल अपने दिल की आवाज़ को सुनकर फैसला लिया। इसका उदारहण उनकी व्यक्तिगत ज़िन्दगी का सबसे बड़ा फैसला रहा । मुस्लिम परिवार से आने वाली शमशाद बेगम ने मात्र 15 वर्ष की आयु में हिन्दू परिवार में जन्में गणपत लाल से विवाह कर सबको चौंका दिया। मदर इंडिया, मुग़ल ए आज़म, पतंगा, आरपार, सी आई डी, बैजू बावरा, मेला, किस्मत जैसी सुपरहिट फ़िल्मों में गाने गाकर एक नया इतिहास रच दिया था। शमशाद बेगम द्वारा गाये गये लगभग सभी सुपर डुपर हिट गानों को रिमिक्स किया गया और रिमिक्स वर्जन ने भी उतनी ही धूम मचाई जितनी ओरोजिनल गानों ने धूम मचाई थी यही वजह थी कि शमशाद बेगम को क्वीन ऑफ रिमिक्स के ख़िताब से नवाज़ा गया। अपने फिल्मी कैरियर के दौरान लगभग 6000 से ज़्यादा गाने विभिन्न भाषाओं में गाये।

जिसकी आवाज़ के लगभग हर उम्र वर्ग के लोग दीवाने थे वो स्वयं को यानी शमशाद बेगम अपने आप को ख़ूबसूरत नहीं समझती थी यहीं वजह रही कि शमशाद बेगम किसी भी पार्टी के दौरान बहुत कम फ़ोटो खिंचवाती थीं और बहुत कम कैमरे को फेस करती थी। भारतीय फ़िल्म इंडस्ट्री को अपनी आवाज़ के माध्यम से विशेष ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2009 में पदम भूषण जैसे उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया साथ ही इसी वर्ष उन्हें प्रेस्टीजियस ओ पी नैय्यर अवार्ड 2009 से भी सम्मानित किया गया था। मख़मली ख़नकदार आवाज़ की मल्लिका शमशाद बेगम के अस्तित्व को सुर की सरताज़ कहना उचित होगा। 23 अप्रैल 2013 को वे दुनिया को विदा कह गयीं लेकिन आवाज़ की दुनिया ही नहीं हर दिल पर आज भी उनकी आवाज़ राज करती है।

हिलव्यू समाचार परिवार की ओर से अमर आवाज़ को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएँ।

स्मृति- जन्मदिन पर विशेष

मरु कोकिला गवरी देवी

सोने री धरती जठे चांदी रो आसमान
रंग रंगीलो रस भरयो म्हारो प्यारो राजस्थान ।।

कुलदीप गुप्ता

राजस्थान राज्य जहाँ एक तरफ अपनी वीरता के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है तो वही दूसरी और अपनी लोककला सँस्कृति के साथ साथ अपनी गायन शैली के लिए भी प्रसिद्ध रहा है विशेष तौर से मांड गायन शैली केलिये।

वीरों की भूमि पर जन्म लेकर अपनी गायकी से राजस्थान राज्य का नाम विश्व पटल पर स्वर्णिम अक्षरों में लिखने वाली गवरी देवी का जन्म 14 अप्रैल 1920 को हुआ था। गवरी देवी ने अपनी खनकदार आवाज़ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांड गायकी का जादू बिखेर कर राज्य का नाम रोशन किया । गवरी देवी मांड गायकी के अलावा ठुमरी भजन और ग़ज़ल गायन भी करती थी। राजस्थान राज्य के अलावा उड़ीसा, कर्नाटक तमिलनाडु केरल एवं महाराष्ट्र राज्यों में भी अपनी मांड गायकी की प्रस्तुति दी। गवरी देवी ने रूस (मास्को) में आयोजित इण्डियन फेस्टिवल में अपनी गायिका का परचम लहरा कर समस्त देशवासियों का सर गर्व से ऊँचा कर दिया था । राजस्थानी लोक गायन में विशेष योगदान देने के लिए गवरी देवी को राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया वही दूसरी और भारत सरकार द्वारा कांस्य पदक भी प्रदान किया गया। वर्ष 2013 में राजस्थान रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। अंतिम समय तक लोककला के संरक्षण और उसे जीवित रखने का भरसक प्रयास करने वाली राजस्थान की मरु कोकिला 29 जून 1988 को हमेशा के लिए अनन्त आकाश में विलीन हो गई पर कहते है ना कि कलाकार कभी मरते नहीं वो सदैव यादों में जीवित रहते हैं।

गवरी देवी अमर मरु कोकिला को हिलव्यू समाचार परिवार की तरफ से जन्मदिन की शुभकामनाएं।

एनकाउंटर: यूपी में पांच-पांच लाख रुपए के इनामी बदमाश ढेर

अतीक के बेटे असद सहित दो जनों की मुठभेड़ में मौत

हिलव्यू समाचार

लखनऊ/झांसी। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने गुरुवार को झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके एक साथी गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया। एडीजी प्रशांत कुमार ने कहा, "प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में वांछित असद और गुलाम पांच-पांच लाख रुपए के इनामी बदमाश थे। दोनों की झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। असद अतीक और अशरफ को छुड़ाने के लिए पुलिस के काफिले पर हमला करना चाहता था।" एडीजी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए बदमाशों के पास से अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद हुए हैं। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, उमेश पाल की हत्या के बाद असद और गुलाम फरार थे। दोनों को पकड़ने के लिए एसटीएफ की कई टीमों को लगाया गया था। झांसी में एसटीएफ की एक टीम ने जब मोटरसाइकिल से भागने की कोशिश कर रहे असद और गुलाम को रोका, तो दोनों ने एसटीएफ टीम पर गोलियां चलाईं। फिर, एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में असद और गुलाम मारे गए। घटना की तस्वीरों और वीडियो में कथित मुठभेड़ वाले स्थान पर जमीन पर दो शव और उनके पास एक मोटरसाइकिल नजर आ रही है। बाद में एक एंबुलेंस से दोनों शवों को अस्पताल ले जाया गया।

सुर्खियों में यूपी सरकार

असद की मौत पर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है योगी सरकार जहां इसे उपलब्धि के तौर पर बता रही है वहीं विपक्ष ने मुठभेड़ पर सवाल उठा दिए हैं। राजनीतिक बयानबाजी के परे एनकाउंटर को लेकर कानूनी बहस भी छिड़ गई है। इसके पहले कई केस में ऐसा हो चुका है, जब अदालतों को जांच के निर्देश देने पड़े। असद अहमद का एनकाउंटर की कहानी यहीं खत्म नहीं होगी। इसके लिए मजिस्ट्रेट की जांच का इंतज़ार करना होगा जो पुलिस की थ्योरी और इस मुठभेड़ की जाँच करेगा

पुष्कर सरोवर में गंदे पानी की आवक रोकने का कार्य शुरू

पुष्कर के विकास पर 500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

हिलव्यू समाचार

जयपुर। तीर्थराज पुष्कर का विकास और जीर्णोद्धार का काम जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए 500 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन किया है। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि पुष्कर सरोवर में गंदे पानी की आवक को रोकने के लिए पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। मानसून आने से पूर्व समयबद्ध निर्माण कार्य किया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि बरसाती पानी के साथ-साथ शहर का गंदा पानी सरोवर में जाने के कारण पवित्र जल प्रदूषित हो रहा था एवं घाटों का वातावरण दूषित हो रहा था। काफी लंबे समय से पुष्कर वासियों को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में कई बार घोषणा हुई पर मूर्त रूप नहीं ले पाई। समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने बीड़ा उठाया और स्ट्रोम वाटर ड्रेनेज योजना बनाई। इस योजना के तहत निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर हो रहा है। उन्होंने बताया कि अजमेर के जिला कलेक्टर अंशदीप एवं अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त अक्षय गोदारा एसडीएम पुष्कर सहित कई अधिकारी नियमित रूप से निर्माण कार्य की निगरानी एवं समन्वय कर रहे हैं।

बदमाशों की अवैध संपत्तियों पर होगी कार्रवाई

'एक अपराधी-एक पुलिसकर्मी' योजना से बदमाशों पर कसेगा शिकंजा

हिलव्यू समाचार

कोटा। जिले में अब अपराधियों की अवैध संपत्तियों को नष्ट करने की योजना बनाई गई है। कोटा पुलिस ने 'एक अपराधी-एक पुलिसकर्मी' योजना शुरू की गई है। अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए शहर पुलिस अधीक्षक सरवन चौधरी ने योजना लागू करने का फैसला किया है। इस योजना का मकसद हार्डकोर अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों, आदतन अपराधियों पर व्यक्तिगत रूप से पुलिस की नजर रखकर उन पर नकेल कसना है। इसके तहत कोटा पुलिस अब बदमाशों की संपत्ति का भी ब्योरा रखेगी। अगर संपत्ति अवैध है, किसी को डरा-धमका कर छीनी गई है या फिर अवैध निर्माण है तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा इन अपराधियों की आय का जरिया, आर्थिक संसाधन और चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा तैयार किया जाएगा। कोटा के शहर पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने शनिवार सुबह पुलिस लाइन में कोटा के सभी थानों में हिस्ट्रीशीटरों, हार्डकोर अपराधियों, सरगनाओं पर निगरानी रखने के लिए चलाई जा रही योजना 'एक अपराधी-एक पुलिसकर्मी' के तहत प्रत्येक अपराधी की निगरानी के लिए तैनात किए 202 पुलिसकर्मियों की बैठक लेकर उनका मार्गदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक (शहर) चौधरी ने बताया कि इस योजना के तहत कोटा शहर में चिह्नित प्रत्येक अपराधी पर निगरानी रखने के लिए संबंधित थाने से एक अधिकारी या पुलिसकर्मी को तैनात किया गया है जो अपराधी की संपूर्ण गतिविधियों पर निगरानी रखेगा। कोटा शहर में कुल 397 हिस्ट्रीशीटर, 51 हार्डकोर, 4 गैंगस्टर, जिला स्तर के 10, कोटा रेंज स्तर के चार और राज्य स्तर के तीन कुख्यात अपराधी चिह्नित किए गए हैं। शरद चौधरी ने निर्देश दिए कि चिह्नित अपराधियों की चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा भी रखा जाए।

अपराधी के आयस्रोत की होगी जानकारी

पुलिस को अब प्रत्येक चिह्नित अपराधी के आय स्रोत के बारे में भी जानकारी रखनी होगी, ताकि आय के जरिए से इस बात का भी अनुमान लगाए जा सके और यह भी पता चल सके कि उनका काम वैधानिक है अथवा नहीं। शहर पुलिस अधीक्षक ने अपराधियों के तमाम सारे साथियों और परिवारजनों, उनकी सहायता करने वालों की जानकारी रखते हुए उन पर पूर्ण निगरानी रखने के निर्देश दिए।

अब नए अपराधियों पर रहेगा फोकस

पुलिस अधीक्षक सरवन चौधरी ने कहा कि जिले के थानों में पूर्व में चले आ रहे ऐसे हिस्ट्रीशीटर जो अब किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं और पिछले कई वर्षों से उनकी किसी भी आपराधिक वारदात में संलिप्तता नहीं पाई जाती है तो उन अपराधियों की निगरानी बंद कर अपराध जगत में प्रवेश करने वाले नए बदमाशों पर निगरानी रखी जाए, क्योंकि निष्क्रिय हो चुके पुराने बदमाशों पर निगरानी रखना कारगर नहीं है।

माँ सेवा, त्याग और समर्पण की मूर्ति, हमें रखना है उसका ध्यान: बिरला

बूंदी में सुपोषित मां अभियान का शुभारंभ

हिलव्यू समाचार
कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को बूंदी व तालेड़ा पंचायत समिति क्षेत्र में वंचित परिवारों की गर्भवती महिलाओं के लिए सुपोषित मां अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मां सेवा, त्याग और समर्पण की मूर्ति है।

वह पहले परिवार का पेट भरती है, उसके बाद स्वयं अन्न ग्रहण करती है। मां को भी पोषण मिले यह हम सब की जिम्मेदारी है, जिसे हमें सामूहिकता के साथ पूरा करना है। सिलोर रोड स्थित हरियाली रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में स्पीकर बिरला ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में मातृ तथा शिशु मृत्यु दर भारत में सबसे कम हो। इसके लिए वंचित परिवारों की महिलाओं के लिए जनसहयोग से सुपोषित मां अभियान प्रारंभ किया गया है। अगले नौ माह तक जब इन गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण मिलेगा तो वे स्वयं भी स्वस्थ होंगी और स्वस्थ शिशु को जन्म देंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मां के दर्द को समझते हैं। इसके चलते उन्होंने महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं, लेकिन इन वंचित वर्ग की महिलाओं के प्रति भी समाज की जिम्मेदारी बनती है। एएनएम, जीएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तो अपना काम कर ही रही हैं, लेकिन सामाजिक कार्यकर्ता भी इन महिलाओं को उचित सलाह दें, उनकी समय-समय पर जांच करवाएं और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाएं। बिरला ने कहा कि सुपोषित मां अभियान गर्भवती महिला और शिशु को स्वस्थ रखने का संकल्प है।

कार्यक्रम में प्रधान राजेश रायपुरिया, अहमदाबाद के अनस्टोपेबल एनजीओ के डायरेक्टर पॉजिटिव ऋषि कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश अग्रवाल, महावीर खंगार, जितेन्द्र सिंह हाड़ा, महेन्द्र डोई, दुर्गाशंकर चौधरी, रामस्वरूप नरेड़ा, रामराज बलाई, हरिओम प्रजापत, टिन्नू बन्ना, नेतराम सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हर माह स्वास्थ्य की भी होगी जांच

सुपोषित मां अभियान के तहत चिह्नित महिलाओं को नौ माह तक पोषण किट तो मिलेगी ही, हर माह उनके स्वास्थ्य की भी जांच होगी। डॉक्टरों की एक टीम इस काम की देखरेख करेगी। इन महिलाओं का मेडिकल कॉर्ड भी बनाया जाएगा। आवश्यकता होने पर इन महिलाओं को दवा भी उपलब्ध करवाई जाएगी और समय-समय पर उनका वैक्सीनेशन भी होगा।

गर्भवती महिलाओं की आंखों में खुशी

सुपोषित मां अभियान के तहत स्पीकर बिरला के हाथों से पोषण किट मिलने के बाद गर्भवती महिलाओं की आंखों में खुशी की चमक दिखाई दी। चिह्नित की गई महिलाओं में अधिकांश वे महिलाएं हैं जिन्हें गर्भवती होने के बावजूद भी परिवार की सहायता के लिए काम करना पड़ता है। गर्भावस्था में पोषण नहीं मिलना और काम करने की मजबूरी दोहरी चुनौती होती है।

पाकिस्तान से आई नशे की बड़ी खेप पकड़ी

35 करोड़ रुपए की 9 किलो हेरोइन बरामद... चार तस्कर गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान की टीम ने रविवार को जैसलमेर के पाकिस्तान बॉर्डर पर 9 किलो हेरोइन बरामद कर एक बोलेरो कैम्पर गाड़ी जब्त की। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35 करोड़ रुपए आंकी गई है। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने बताया कि मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में सूरतगढ़ निवासी अमर लाल भादू और सुथार मंडी रोड निवासी रामचंद्र बिश्नोई तथा थाना कोतवाली क्षेत्र के बटोड़ा निवासी जोगेंद्र सिंह व म्याजलार निवासी तस्कर माधव सिंह को गिरफ्तार किया है। डीआईजी क्राइम डॉ. राहुल प्रकाश की मॉनिटरिंग में शनिवार को जैसलमेर जिले के थाना मोहनगढ़ और कोतवाली इलाके में एएसपी नरोत्तम वर्मा व इंस्पेक्टर राम सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पिछले एक महीने से सीआईडी जयपुर की टीम इन पर नजर रखे हुए थी। मुखबिर से मिली सूचना पर एएसपी नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में इंस्पेक्टर राम सिंह और हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा को जैसलमेर भेजा गया था। टीम को पता चला कि स्थानीय तस्करों द्वारा जैसलमेर के रास्ते बॉर्डर पार से आई हेरोइन की प्रदेश के अन्य जिलों और पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा दिल्ली तक इसकी सप्लाई की जा रही है।

ऐसे बिछाया गया पुलिस ने जाल

एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि जानकारी को पुख्ता करने के लिए एएसआई शैलेंद्र शर्मा, कांस्टेबल नरेश, देवेंद्र और चालक विश्राम को भेजा गया था। सूचना पुख्ता होने पर शनिवार को मुख्यालय से टीमें गठित कर जैसलमेर भेजी गईं। जहां से अमरलाल भादू और रामचंद्र विश्नोई के पास से 500-500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में थाना मोहनगढ़ पर मुकदमा दर्ज किया गया। इनसे पूछताछ के बाद जैसलमेर में ही कोतवाली थाना इलाके से जोगेंद्र सिंह को उसके घर से 8 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया।

484 ठिकानों पर पुलिस का छापा, 175 गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट ने ऑपरेशन क्लीन बोल्ड अभियान की शुरुआत एक बार फिर रविवार सुबह से हुई। सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने अलसुबह 5 बजे से ही बदमाशों के ठिकानों पर धावा बोलकर उनकी धरपकड़ शुरू की। सीएसटी और कमिश्नरेट के चारों जिलों की पुलिस टीमों ने जयपुर शहर में बदमाशों के 484 पर दबिश देकर कुल 186 जनों को पकड़ा। उनसे पूछताछ के बाद 175 बदमाशों को गिरफ्तार कर 31 प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन अवैध हथियार, अवैध शराब और 26 वाहन जब्त कर लिए। इनमें से 31 बदमाश पहले से जेल में बंद हैं।

मरने से पहले युवक ने लगाया वॉट्सएप स्टेटस

मासूम के साथ टांके में कूदे देवर-भाभी, तीनों की मौत

हिलव्यू समाचार
बाड़मेर। जिले के सदर थाना क्षेत्र के डूंगेरो का तला गांव में देवर-भाभी ने दो साल की मासूम के साथ घर में बने टांके में कूदकर आत्महत्या कर ली। घर में एक साथ तीन लोगों की मौत होने से कोहराम मच गया। सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं ग्रामीणों की ओर से जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों के शवों का जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम-प्रसंग का लग रहा है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। सदर थाने के एएसआई जाकिर अली ने बताया कि सुथारों का कुआं गांव निवासी देबू (22) पत्नी जगदीश, बेटी ललिता (2) और खीमाराम (22) पुत्र चुतराराम शनिवार रात टांके में कूद गए। तीनों के घर पर नहीं मिलने पर परिजनों ने इधर-उधर तलाश किया। इस दौरान टांके के बाहर चप्पल मिलने पर परिजनों को संदेह हुआ। टांके में तीनों के शव उसमें तैरते मिले। रविवार को पीहर पक्ष के आने के बाद तीनों के शवों को टांके से बाहर निकाला गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला कि शादी 3 साल पहले ही हुई थी। उसकी 2 साल की बेटी थी। महिला का पति जगदीश गुजरात के राजकोट की एक फैक्टी में मजदूरी करता है। वह 4 साल से अधिकांश समय वहीं पर रहता था। पुलिस ने महिला के पिता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया है।

सुबह ही घर पहुंचा था युवक

पुलिस की प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। खीमाराम शनिवार सुबह ही घर पर आया था। आत्महत्या से पहले खीमाराम ने वॉट्सऐप स्टेटस भी लगाया लगाया। इसको देखकर एक रिश्तेदार ने उनको फोन भी लगाया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इस पर रिश्तेदार ने खीमाराम के परिवार के लोगों को जानकारी दी। जिसके बाद परिजनों ने तीनों की तलाश शुरू की।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत वार्ड 44 में निकाली पदयात्रा

कांग्रेस में कहीं नज़र नहीं आ रही एंटी इनकंबेंसी: धारीवाल

हिलव्यू समाचार
कोटा। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा में लगातार 8 दिन विभिन्न वार्डों में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत सैकड़ों लोगों से संवाद किया। रविवार को भी उनकी पदयात्रा जारी रही। इस मौके पर धारीवाल ने कहा कि मैं दो बार यूडीएच मंत्री रहा, लेकिन इस कार्यकाल में कोटा में जितना विकास हुआ है, उतना विकास कभी नहीं हुआ। कोटा शहर में यातायात की सुगमता से लेकर पर्यटन विकास, जनउपयोगी सुविधाओं सहित वार्डों में करोड़ों रुपए के कार्य करवाए गए हैं। यह पहली बार है कि कोटा शहर में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा पदयात्रा के दौरान जब जनता के बीच पहुंच रहे हैं, तो क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर जनता भी खासी खुश नजर आ रही है। वहीं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से मिल रही राहत से एंटी इनकंबेंसी कहीं नजर नहीं आ रही।

घर-घर पहुंचकर लिया फीडबैक

पदयात्रा क्षेत्र के वार्ड 44 के तुल्ला पूरा सहित आस-पास के क्षेत्रों में पहुंची जहां क्षेत्रवासियों ने मंत्री शांति धारीवाल और पीसीसी सदस्य अमित धारीवाल का स्वागत किया। वहीं धारीवाल ने घर-घर पहुंचकर क्षेत्र के लोगों से विकास कार्यों पर जानकारी ली। छोटी-मोटी समस्या के निस्तारण के लिए मौके पर ही निर्देश दिए। पदयात्रा के दौरान क्षेत्र में 2 जगहों पर नुक्कड़ सभा को भी मंत्री धारीवाल ने संबोधित किया।

सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं

यूडीएच मंत्री ने क्षेत्रवासियों से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आमजन को राहत देने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा है। उन्होंने मौके पर उपस्थित लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। पदयात्रा के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष ललित कुमार, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष श्याम सिंह जादौन, पार्षद नीरज मीणा, बशीर अहमद सहित क्षेत्र के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लापता युवक का रेल की पटरी पर मिला कटा शव

हिलव्यू समाचार
बीकानेर। जिले के लूणकरनसर निवासी एक युवक का कई हिस्सों में कटा हुआ शव रविवार को ट्रेन की पटरियों पर पड़ा मिला। युवक शनिवार शाम से ही लापता था।

टाइगर फोर्स के अध्यक्ष महिपाल सिंह राठौड़ के अनुसार उन्हें रविवार को सुबह सूचना मिली थी कि बिजली बोर्ड के सामने रेल पटरियों पर एक युवक का शव बिखरा पड़ा है। मौके पर पुलिस के साथ पहुंचे और शव को एकत्रित कर एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। पटरियों पर मिले मोबाइल से मृतक की पहचान बनवारी कुकणा (26) निवासी धीरेरा के रूप में हुई है। ये युवक वर्षों से अनाज मंडी में मुनीम का काम करता था। उसने कुछ दिन पहले ही अनाज मंडी में आढ़त की दुकान शुरू की थी। जानकारी में सामने आया कि युवक शनिवार शाम को दोस्त के कमरे पर गया था। वहां से बिना बताए बाहर चला गया तो उन्होंने इधर उधर तलाश किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। रात एक बजे तक उसका मोबाइल चालू था। अंदेशा है कि रात्रि में वह किसी ट्रेन से कटा है।

राहुल गांधी के समर्थन में निकाला मशाल जुलूस

जयपुर। राहुल गांधी के लोकसभा से निष्कासन के विरोध में झोटवाड़ा शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध जताया। राहुल गांधी के समर्थन में मशाल रैली में पीसीसी कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्रपाल सिंह जादौन के नेतृत्व जुलूस निकाला। केंद्र सरकार के खिलाफ ब्लॉक कमेटी ने होटल मनोहर पैलेस से लता सर्किल तक हाथों में मशाल लेकर राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लागते हुए मार्च किया। इस दौरान विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, विद्याधर ब्लॉक अध्यक्ष बद्रीनारायण कुमावत, ईडब्ल्यूएस बोर्ड सदस्य देवेंद्र बुटाटी, पार्षद प्रत्याशी नरेंद्र वशिष्ठ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा का तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप

वोट बैंक को साधने के लिए कांग्रेस धार्मिक यात्रा पर लगा रही पाबंदी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा लगातार तुष्टीकरण की राजनीति के आरोप लगाकर कांग्रेस को घेर रही है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय से रविवार को राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एक बार फिर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। राठौड़ ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। सरकार में बैठे लोग आलाकमान को खुश करने, वोट बैंक को साधने के लिए राज्य में धार्मिक यात्रा पर पाबंदी लगा रहे हैं, क्योंकि सरकार अलगाववादी ताकतों के साथ खड़ी है। राठौड़ ने बाड़मेर की घटना को लेकर कहा कि राज्य में महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाली आपराधिक घटनाएं दिल दहला देती हैं। हालात यह हैं कि प्रदेश में इतनी बड़ी घटनाएं हो जाती हैं, लेकिन सरकार आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। बाड़मेर में दलित महिला से रेप के बाद उसे एसिड से जलाकर मार दिया गया। लेकिन आरोपी एक समाज विशेष का होने के कारण सरकार उसे बचाने में लगी है। इस मामले में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई और अब दो दिन बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई है।

प्रेसवार्ता के दौरान विधायक अनिता भदेल, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी, सह-संयोजक अशोक सिंह शेखावत आनन्द शर्मा मौजूद रहे।

धार्मिक यात्राओं पर हो रही पत्थरबाजी

राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक यात्राओं पर पत्थरबाजी हो रही है। हाल ही में जयपुर के जमवारामगढ़ में पत्थरबाजी इसका ताजा उदाहरण है। सरकार अपने आलाकमान और राहुल गांधी के पोस्टर लगाने में व्यस्त है। यह पत्थरबाजों की सरकार है। जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपियों को बरी कराने वाली सरकार है। सरकार के खराब रवैये से राजस्थान की साख को बट्टा लगा है।

प्रियंका और उनका नारा दोनों गायब

भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेस में भाजपा विधायक अनिता भदेल भी मौजूद रहीं। भदेल ने कहा कि प्रदेश में हर दिन 17 दुष्कर्म होते हैं। प्रियंका गांधी ने नारा दिया था कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं, वह नारा कहां गया? राजस्थान में इतनी घटनाएं महिलाओं के साथ होती हैं, लेकिन वह एक बार भी प्रदेश में किसी पीड़ित महिला से मिलने के लिए नहीं आईं। सरकार की कोर्ट में लचर पैरवी के कारण दुष्कर्म के आरोपी जिन्हें फांसी होनी चाहिए थी, वह जेल से छूट रहे हैं। भदेल ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने का काम किया है और तुष्टीकरण की पराकाष्ठा भी चरम पर है। धार्मिक तुष्टीकरण के कारण उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या कर दी गई। अब जिला प्रशासन ने सार्वजनिक स्थान पर धार्मिक झंडे नहीं लगाने का तुगलकी आदेश जारी किया।

OTT कंटेंट फैमिली फ्रेंडली नहीं बंद हो गाली-गलौज, वल्गैरिटी

सलमान खान

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की फिल्में साफ-सुथरी होती हैं. उनकी फिल्मों को पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सकता है. हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में सलमान ने ओटीटी पर परोसी जा रही अश्लीलता, गाली-गलौज और वल्गैरिटी पर अपनी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता, गाली-गलौज पर रोक लगनी चाहिए. ऐसे सीन जिन्हें परिवार संग नहीं देख सकते, उन्हें बंद किया जाना चाहिए.

ईद पर आएगी 'किसी का भाई, किसी की जान'

सलमान खान की 'किसी का भाई, किसी की जान' इस महीने के अंत में ईद-उल-फितर के मौके पर रिलीज होगी. उनके पास 'टाइगर 3' और फिर 'टाइगर वर्सेस पठान' है. इसमें वह शाहरुख खान के साथ काम करेंगे.

सेंसरशिप का दायरा बढ़े

सलमान ने कहा कि 15-16 साल का बच्चा देखे तो चल सकता है लेकिन अगर छोटी बच्ची पढ़ाई के बहाने यह सब देखे तो कैसा लगेगा? इसलिए मैं यह मानता हूं कि जो भी कंटेंट स्ट्रीम हो, उसे चेक किया जाना चाहिए और ऐसे कंटेंट पर सेंसरशिप लगनी चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया कि जब फिल्मों से लेकर टीवी तक के लिए सेंसरशिप है तो फिर ओटीटी के लिए क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि साफ-सुथरा कंटेंट हमेशा चलता है, फिर चाहे वह कोई भी प्लेटफॉर्म हो.

एक्टर्स भी गिरेबान में झांकें

सीनियर एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वल्गर और न्यूड सीन्स करने वाले एक्टर्स पर भी कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि वे एक्टर्स जो ओटीटी की दुनिया में सब कुछ कर चुके हैं, जब अपनी बिल्डिंग में घुसते हैं तो आपका वॉचमैन आपका काम देख रहा है. यह सही नहीं है. हमें यह सब करने की जरूरत नहीं है. हम हिंदुस्तान में रहते हैं. थोड़ा-बहुत ठीक है लेकिन ये सब बहुत ज्यादा हो गया है. हालांकि अब थोड़ा कंट्रोल हुआ है. सलमान ने ओटीटी प्लेटफॉर्म की तारीफ भी की. उन्होंने कहा कि इसकी वजह से बहुत लोगों को रोजगार मिला है.

फिल्म पुष्पा 2 का 'व्हेयर इज पुष्पा?' (पुष्पा कहां है?) का टीचर रिलीज हो गया है. वीडियो में जोरदार हंगामा नजर आ रहा है, और इसके जरिये पुष्पा के किरदार 'द रूल' टैगलाइन को स्थापित करने की कोशिश की गई है. शुरू में दिखाया जाता है कि पुष्पा के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने की खबर आती है. जिन लोगों का वह मसीहा था, वे परेशान हो जाते हैं. फिर एक फुटेज आती है जिसमें बाघ दो कदम पीछे जाता है. इसी तरह सीसीटीवी फुटेज के जरिये अल्लू अर्जुन यानी पुष्पा की एंट्री को दिखाया गया है.

टाइगर स्टाइल में अल्लू की एंट्री

पुष्पा 2 का 'व्हेयर इज पुष्पा?' वीडियो रिलीज

...और शुरू होता है 'रूल'

वीडियो में पुष्पा कुर्सी पर बैठा यह ऐलान करता है कि उसका रूल शुरू होता है. 'पुष्पा 2' को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है. वह फिल्म को पहले पार्ट की तरह शानदार बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं. इसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल हैं. फिल्म का निर्माण मिथ्री मूवी मेकर्स और मुट्टमसेट्टी मीडिया ने किया है.

खौफनाक पोस्टर ने मचाया तहलका

अल्लू अर्जुन का बेहद धमाकेदार पोस्टर इंटरनेट पर रिलीज किया गया जिसमें काली मां की तरह सजेधजे और गले में नींबू की माला पहने हुए अल्लू अर्जुन बेहद खौफनाक और इंटेंस रोल में नजर आए. उनका ये पोस्टर देखने के बाद ट्विटर पर फैंस ने अभिनेता की जमकर प्रशंसा की और फिल्म को देखने की उत्सुकता भी जताई.

कमेंट्स की बरसात

फैंस पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. एक फैन ने फिल्म के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'रोंगटे खड़े हो गए. पुष्पा सिर्फ एक कैरेक्टर नहीं, बल्कि लाखों लोगों का इमोशन है.' एक ने लिखा, 'जब पुष्पा थिएटर में रिलीज होगी तो पूरे बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी और सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी.' एक अन्य ने लिखा, 'अब पठान डेंजर जोन में है क्योंकि पुष्पा बॉक्स ऑफिस पर आग लगाने के लिए आ रही है.' एकने लिखा, '0 प्रतिशत घमंड, 100 प्रतिशत ईमानदार, 1000 प्रतिशत मेहनत, लव यू पुष्पा बाउ.'

शकुंतला का रोल पाकर डर गई थीं सामंथा

फिल्म 'पुष्पाः द राइज' में अपने 'ऊ अंतावा' सॉन्ग और साथ ही 'द फैमिली मैन' सीरीज में राजी का किरदार निभाकर देशभर में अपनी पहचान कायम करने वाली अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही निर्देशक गुनाशेखर की फिल्म 'शाकुंतलम' में शकुंतला का लीड रोल निभाती नजर आएंगी. इन दिनों इस फिल्म का जोरों शोरों से प्रचार कर रही अभिनेत्री ने बीते दिनों इस फिल्म का नया ट्रेलर लॉन्च किया. इस दौरान जब 'नवभारत' ने उनसे प्रश्न किया कि इतिहास से जुड़ी इस कहानी को लेकर उन्होंने कितनी जिम्मेदारी के साथ काम किया है, तो उन्होंने कहा, 'जब मुझे इस किरदार को निभाने का ऑफर मिला तो मैं थोड़ा डर गई और मैंने निर्देशक गुनाशेखर को साफ मना कर दिया, क्योंकि मैं अब तक 'द फैमिली मैन' में राजी जैसे रीयलिस्टिक किरदारों को निभाती आ रही थी. बचपन से डिज्नी की फिल्में और शोज मेरे पसंदीदा जॉनर रहे हैं. मैं अपने हर अच्छे-बुरे वक्त में डिज्नी की फिल्में देखती थी. मुझे कॉन्फिडेंस नहीं था कि मैं शकुंतला जैसी एक राजकुमारी का किरदार निभा पाऊंगी क्योंकि वो परिपक्वता की एक मिसाल हैं.

दिलराजू सर ने जताया विश्वास

लेकिन अगर आप देखेंगे तो पिछले 3 वर्षों में मैं विविध प्रकार की चुनौतियों को स्वीकार कर रही हूं. तो मैंने इस बारे में दिलराजू सर (निर्माता) से बात की और उन्होंने मुझमें विश्वास जताया, तो मैंने भी सोचा कि क्यों न इसे एक चुनौती की तरह स्वीकार किया जाए क्योंकि यहां मुझे एक ऐसा किरदार निभाने का अवसर मिल रहा था जिसका सपना मैंने बचपन से देखा है. मुझे लगा था कि ये सादगी से भरी एक कहानी होगी, लेकिन नहीं, इस किरदार को निभाने के बाद मैंने पाया कि इसमें भावना, प्रेम और विश्वासघात जैसे तत्व भी मौजूद हैं. एक मॉडर्न वीमेन होने के बावजूद मैं एक ऐसे किरदार से जुड़ पा रही थी जिसे बरसों पहले लिखा गया है. मुझे लगता है कि ये फिल्म हर प्रकार की ऑडियंस के लिए बनी है और लोग इसे देखने के बाद न सिर्फ खुश होंगे, बल्कि आश्चर्यचकित रह जाएंगे.' बता दें कि 2022 में 'मायोजिटिस' से ग्रस्त होने के बाद सामंथा ने अभिनय से एक छोटा ब्रेक ले लिया था. 14 अप्रैल, 2023 को रिलीज हो रही शाकुंतलम के अलावा अभिनेत्री 'कुशी' और प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड सीरीज 'सिटाडेल' में भी नजर आएंगी.

★ आकाश जायसवाल@नवभारत

'सेक्शन 84' में डायना की एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस डायना पेंटी जल्द ही महानायक अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने जा रही हैं. एक्ट्रेस की एंट्री रिभु दासगुप्ता की फिल्म 'सेक्शन 84' में हो गई है. हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े एक्टर के साथ काम करने को लेकर डायना भी काफी उत्साहित हैं. फिल्म का निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले होगा. बताया जा रहा है कि मेकर्स जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं.

'सेक्शन 84' का हिस्सा बनकर डायना काफी ज्यादा खुश हैं. इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सेक्शन 84 मेरे लिए बहुत स्पेशल है. केवल इसलिए नहीं कि इसकी कहानी दिलचस्प है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इसमें मुझे लेजेंड्री एक्टर मिस्टर बच्चन के साथ काम करने का सौभाग्य मिलने वाला है. ईमानदारी से कहूं तो मेरा यह सपना आखिरकार साकार हो गया.' उन्होंने आगे कहा कि रिभु दासगुप्ता का विजन बहुत स्पष्ट है. मैं इस फिल्म में उनके साथ कोलैबोरेट करके बहुत खुश हूं. मुझे पता है कि यह एक ऐसा अनुभव होने जा रहा है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी. सर्वश्रेष्ठ लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा. डायना हाल ही में रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म 'सेल्फी' में दिखी थीं. 'सेक्शन 84' के अलावा वह अली अब्बास जफर की आगामी फिल्म में शाहिद कपूर के साथ भी नजर आने वाली हैं.

शिल्पा ने 18 साल बाद कन्नड़ सिनेमा में की वापसी

कर्नाटक में जन्मी शिल्पा शेट्टी ने 'सैंडलवुड' की गिनी-चुनी फिल्मों में ही काम किया है. बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद, शिल्पा फिर से जल्द ही कन्नड़ फिल्मों में वापसी करने जा रही हैं. प्रभुदेवा की 'मिस्टर रोमियो' (1996) के साथ तमिल सिनेमा में भी कदम रख चुकीं शिल्पा करीब 18 साल के बाद, कन्नड़ सुपरस्टार ध्रुव सरजा की अपकमिंग एक्शन ड्रामा 'केडीः द डेविल' के साथ कन्नड़ सिनेमा में शुरुआत कर रही हैं. मेकर्स ने शिल्पा के शामिल होने की पुष्टि करते हुए उनका पोस्टर भी शेयर किया. पैन-इंडिया फिल्म में शिल्पा सत्यवती की भूमिका में हैं. वह पूरी तरह से नए अवतार में दिखाई देंगी.

हर फिल्म भाग्य लेकर आती है

हाल ही में एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी 'हंगामा 2' और 'निकम्मा' के बॉक्स ऑफिस पर न चल पाने के बारे में खुलकर बात की. बकौल शिल्पा, 'यह सामान्य रूप से फिल्मों के लिए बहुत कठिन समय है. आप यह नहीं कह सकते कि हिंदी फिल्में कम अच्छी हैं या क्षेत्रीय भाषाओं की तुलना में उनमें क्वालिटी नहीं है. सार यह है कि अब फिल्म मेकर्स भी इस बारे में मंथन कर रहे हैं, साथ ही दर्शक भी अब पसंद-नापसंद को लेकर मुखर हो गए हैं. बहरहाल, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि मेरी कमबैक फिल्में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, जितना कि हमने उम्मीद की थी. इस बारे में मैं सिर्फ इतना ही कहूंगी कि हर फिल्म अपना भाग्य लेकर आती है. मैं केवल इसके बारे में नहीं सोचती.'

निर्देशक शंकर की कमल हासन स्टारर 'इंडियन 2' की शूटिंग इन दिनों आंध्र प्रदेश और चेन्नई में तेजी से पूरी की जा रही है. टीम कुछ महत्त्वपूर्ण दृश्यों को फिल्माने के लिए जल्द ही दक्षिण अफ्रीका भी जा रही है. हालांकि, अब ऐसा लग रहा है कि शंकर फिल्म को एक और इंटरनेशनल लोकेशन पर शूट करने वाले हैं.

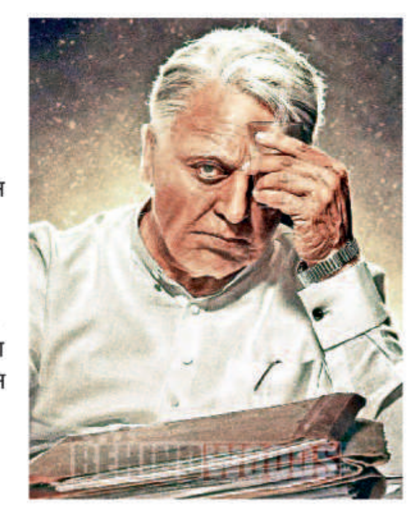

ताइवान में शूट होंगे 'इंडियन 2' के खास एक्शन

चर्चा है कि अपकमिंग फॉरेन शेड्यूल के दौरान फिल्म के कई एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे. एक्शन से भरपूर कुछ हिस्सों की शूटिंग के लिए टीम जल्द ही ताइवान के लिए रवाना होने जा रही है. यहां शंकर एक ट्रेन में बड़ा एक्शन सीक्वेंस फिल्माएंगे. यह फिल्म के हाइलाइट सीन में से एक होगा. हालांकि ऐसी भी अटकलें हैं कि फिल्म इस साल दीपावली पर रिलीज हो सकती है, लेकिन इसकी संभावना कम ही लगती है. 'इंडियन 2' जनवरी 2024 में पोंगल के मौके पर रिलीज हो सकती है.

फेस टू फेस इंटरव्यू की तैयारी में ध्यान रखें ये बातें

करिअर जोन

यदि जॉब के लिए आप इंटरव्यू देने जाने वाले हैं और उसके लिए तैयारी में लगे हुए हैं, तो बहुत सी ऐसी चीजें हैं, जिसके लिए आपको पहले से ही कमर कस लेनी होगी. याद रखें कि आपका फर्स्ट इंप्रेशन और अपनी बेस्ट क्वालिटीज को प्रेजेंट करने का तरीका ही आपको जॉब ऑफर पाने के करीब ले जाएगा. ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ खास स्टेप्स में अभी से शुरू कर लें इंटरव्यू की तैयारी....

कंपनी और इंटरव्यूअर के बारे में पता करें

जॉब के लिए अपने इंटरव्यू से पहले रिलेटेड कंपनी और उस ऑर्गनाइजेशन में इंटरव्यूअर के रोल को लेकर सबकुछ अच्छी तरह जान लेना बहुत जरूरी होता है. यह सब जानने के बाद आप इंटरव्यू के दौरान खुद में कॉन्फिडेंस का एहसास करेंगे. इसके लिए कंपनी की वेबसाइट को पढ़ सकते हैं. कंपनी से जुड़ी हालिया प्रेस रिलीजेस पर नजर डाल सकते हैं या उससे जुड़ी सोशल मीडिया पोस्ट्स को देखकर कंपनी के फ्यूचर गोल्स के बारे में पता कर सकते हैं. उनके मिशन स्टेटमेंट और ओवरऑल ऑब्जेक्टिव्स के बारे में जान लें.

इंटरव्यू फॉर्मेट के बारे में जान लें

लगभग सभी फर्म्स के इंटरव्यू के तरीके अलग-अलग ही होते हैं. ऐसे में ये जानने की कोशिश करें कि आप जिस फर्म के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, वहां का इंटरव्यू लेने का तरीका क्या है और वे क्या एक्सपेक्ट कर रहे हैं? ऐसे में कुछ फर्म्स ऐसे होंगे, जो इंटरव्यू के दौरान ब्रेनटीजर्स, केस क्वेश्चंस या टिपिकल इंटरव्यू क्वेश्चंस पूछते होंगे. वहीं कुछ ऐसे ही होंगे जो अपने यहां इंटरव्यू के दौरान आपके जॉब रोल से जुड़े कुछ खास सवाल पूछते होंगे या फिर आपके सामने आपके जॉब रोल से रिलेटेड डेली टास्क पर आधारित कोई सिचुएशन रखकर उसका सॉल्यूशन आपसे पूछ सकते हैं. ऐसे में आप रिलेटेड कंपनी के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर से इस बारे में पूछ सकते हैं कि उनके संस्थान में किस फॉर्मेट पर इंटरव्यू कंडक्ट कराया जाएगा? फिर उसी फॉर्मेट के अनुसार आप आगे की तैयारी करें. कोशिश करें कि अपनी इस तैयारी में अपने किसी फ्रेंड का किसी फैमिली मेंबर की मदद लें, जो आपसे उसी फॉर्मेट के अकॉर्डिंग क्वेश्चंस पूछे. ऐसा करने से अपनी बातों को प्रेजेंट करने की आपकी पूरी प्रिपरेशन हो जाएगी.

जॉब डिस्क्रिप्शन को अच्छी तरह पढ़ लें

इंटरव्यू में जाने से पहले अपने जॉब डिस्क्रिप्शन को अच्छे से कम से कम 2 बार पढ़ लें. अपनी नई और पुरानी दोनों जॉब से जुड़ी रिक्वॉयरमेंट्स से मेल खाने वाले एग्जांपल्स को याद करें. इससे आपको अपने इंटरव्यूअर को यह देखने मेंमदद मिलेगी कि आप किस तरह से जॉब की हर रिक्वायरमेंट पर खरे उतरेंगे.

मदद लेने में संकोच न करें

अपने जवाबों को लेकर इफेक्टिव तरीके से प्रैक्टिस करने के लिए उन्हें खुलकर बोलने की कोशिश करें. इसके लिए अपने किसी विश्वसनीय दोस्त या किसी फैमिली मेंबर से खुलकर बोलने में आप मदद ले सकते हैं. उनसे कहें कि वे आपसे सवाल पूछें और आप उनके सवालों का खुलकर जवाब दें. पर इसमें उन्हीं की मदद लें, जो आपको इसका कंस्ट्रक्टिव फीडबैक दे सकें.

रेफरेंस लिस्ट तैयार कर लें

आपका इंटरव्यूअर आपके इंटरव्यू से पहले या बाद में रिफरेंस लिस्ट के बारे में पूछ सकता है. उस वक्त उन्हें तुरंत रिफरेंस लिस्ट को हैंडओवर करना आपकी प्री-प्रिपरेशन और फुली ऑर्गनाइज्ड होने को शो करेगा.

आज नेशनल सिबलिंग्स डे

कलाकारों ने याद किया भाई-बहनों के साथ अपना अटूट रिश्ता

TV मैजिक

भाई-बहनों के बीच एक खास रिश्ते को सेलिब्रेट करने के लिए 'सिबलिंग्स डे' मनाया जाता है. हम सभी जानते हैं कि भाई-बहन एक वरदान की तरह होते हैं, क्योंकि आपके जन्म से ही वो आपके साथ होते हैं. बेशक, जब आप बच्चे होते हैं तो आप उनसे बहुत लड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आपको एहसास होता है कि आपके भाई या बहन जैसा दूसरा कोई नहीं है. वे आपको अंदर से जानते हैं, और चाहे कुछ भी हो जाए, वो हमेशा आपका साथ देते हैं. सिब्लिंग्स डे के मौके पर, टीवी एक्टर्स ने उन सबसे अच्छी यादों को ताजा किया, जो उन्होंने अपने भाई-बहनों के साथ बिताई हैं और वे अपनी जिंदगी में उन्हें पाकर कितने खुश हैं.

मेरा सपोर्ट सिस्टम है

शो 'मीत' की आशी सिंह ने कहा, 'मेरा सिबलिंग्स डे मेरे और मेरी बहन कशिश के बीच खास रिश्ते के नाम होता है. हम हर समय एक-दूसरे को परेशान करते रहते हैं, लेकिन मैं वाकई उसे अपनी जिंदगी का आशीर्वाद मानती हूं. मेरे लिए वो एक बहन से ज्यादा एक दोस्त है, मेरी सबसे अच्छी दोस्त! उसके साथ, मैं सब कुछ शेयर कर सकती हूं. जब भी मुझे छुट्टी मिलती है, तो हम इसे एक साथ बिताते हैं. वो मेरी हर मुश्किल का हल है. लेकिन जैसा वो कहती है, मैं हमेशा वैसा नहीं कर पाती. हालांकि मेरे लिए उसकी राय हमेशा मायने रखती है. वो जिंदगी की हर स्थिति में मेरा सपोर्ट सिस्टम है.'

भाई-बहन का होना एक आशीर्वाद है

शो 'मैत्री' में नंदिनी की भूमिका निभा रही भाविका चौधरी ने कहा, 'जिंदगी में एक भाई या बहन का होना सचमुच एक आशीर्वाद है, और जब कभी-कभी आपके मां-बाप आपको समझ नहीं पाते हैं, तब आपके भाई-बहन आपको समझते हैं. मेरा भाई अभिनव मेरी दुनिया है. दूसरे भाई-बहनों की तरह हम भी शुरू में खूब लड़ते थे, लेकिन अब बिल्कुल उल्टा है. अब हम एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते, और जब हम मिल नहीं पाते या हमें एक दूसरे का सपोर्ट नहीं मिल पाता, तो हम टेक्स्ट मैसेज या कॉल के जरिए जुड़े रहते हैं.

हर अच्छे-बुरे वक्त में एक दूजे के संग

'भाग्य लक्ष्मी' की ऐश्वर्या खरे बताती हैं, 'मैं अपनी जिंदगी में दो छोटी बहनों को पाकर बेहद धन्य महसूस करती हूं. उनके साथ मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी यादें जुड़ी हुई हैं. मुझे याद है जब हम भोपाल से मुंबई आ रहे थे, तो सबसे बड़ी होने के नाते मैं उनकी पूरी जिम्मेदारी उठाने को लेकर बहुत चिंतित थी. लेकिन हम साथ मिलकर एक बेहतरीन टीम बनाते हैं और हर अच्छे-बुरे वक्त में एक दूसरे के साथ खड़े रहे हैं. सच कहूं तो वे ही मेरी ताकत हैं. हाल ही में मेरी एक बहन आगे की पढ़ाई के लिए विदेश चली गई. हम वाकई उसे बहुत मिस करते हैं. मैं खुशनसीब हूं कि मेरा उनके साथ इतना खूबसूरत रिश्ता है, जहां मैं खुद को जज किए जाने की फिक्र किए बिना उनके साथ सबकुछ शेयर कर सकती हूं.'

स्मार्टवॉच में कॉलिंग के साथ एलेक्सा सपोर्ट

Gadgets जोन

फास्ट्रैक ने अपनी अपनी नई वॉच फास्ट्रैक लिमिटलेस FS1 को लॉन्च कर दिया है. फास्ट्रैक लिमिटलेस FS1 के साथ ब्लूटूथ कॉलिंग मिलती है और इसके अलावा इसमें एलेक्सा का भी सपोर्ट दिया गया है. फास्ट्रैक लिमिटलेस FS1 में 1.95 इंच की डिस्प्ले है और इसमें ATS चिपसेट है. इसमें 150 से अधिक वॉच फेसेज का सपोर्ट है, 1.95 इंच की बड़ी डिस्प्ले है जिसे कंपनी ने होरिजन कर्व्ड नाम दिया है. इसकी ब्राइटनेस 500 निट्स है. इसमें नेविगेशन के लिए साउड माउंटेड बटन है. इसमें ब्लूटूथ कॉलिंग मिलती है और इसके लिए माइक-स्पीकर दिए गए हैं. FS1 में 24 घंटे हार्ट रेट ट्रैकिंग मिलती है. इसके अलावा यह वॉच स्ट्रेस ट्रैकिंग, पीरियड ट्रैकिंग और स्लीप ट्रैकिंग के लिए भी बेस्ट है. इसमें 100 स्पोर्ट्स मोड हैं. इसके अलावा फास्ट्रैक की इस वॉच में अमेजन एलेक्सा का भी सपोर्ट है. एप के जरिए इसमें 100 से अधिक वॉच फेसेज मिलते हैं. कनेक्टिविटी के लिए वॉच में ब्लूटूथ 5.3 मिलता है. इसमें 300mAh की बैटरी है जिसे लेकर 10 दिनों के बैकअप का दावा है.

एक नज़र

निलंबित आईएएस पूजा पर ईडी कोर्ट का आरोप तय

रांची, (एजेंसी)। झारखंड में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी कोर्ट ने आरोप गठित कर दिया है। ईडी कोर्ट ने प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत श्रीमती सिंघल के खिलाफ आरोप गठित किया है। अब श्रीमती सिंघल के खिलाफ ट्रायल शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि दोनों पक्षों की ओर से बहस होने के बाद कोर्ट ने आरोप गठन के लिए 10 अप्रैल की तिथि निर्धारित की थी। इससे पहले ईडी की विशेष कोर्ट ने 3 अप्रैल को पूजा की डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया था। रांची ईडी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में मनरेगा घोटाला मामले में सुनवाई चल रही है।

जैसलमेर में चार तस्करों से नौ किलो हेरोइन की बरामद

जैसलमेर 10 अप्रैल (वार्ता) राजस्थान के सीमांत जैसलमेर जिले में सोमवार अलसुबह एक बड़ी कार्यवाही के दौरान नौ किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में चार तस्करों को हिरासत में लिया गया है। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए यह हेरोइन की खेप पहुंचाने की आशंका जताई जा रही है। जिले में दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में की गई कार्यवाही में मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में एक किलोग्राम एवं कोतवाली थाना क्षेत्र में आठ किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। बरामद हेरोइन करोड़ों रुपए की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन के दिशा निर्देशन में यह कार्यवाही की गई। फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है एवं कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है।

आतंक व विदेशी हस्तक्षेप समाप्त करने का आह्वान

काहिरा, (एजेंसी)। मिस्र ने रविवार को सीरिया की सुरक्षा एवं स्थिरता को बहाल करने के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद और विदेशी हस्तक्षेप को समाप्त करने का आवान किया। मिस्र के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री सामेह शौकरी ने सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडरसन के साथ एक फोन कॉल के दौरान सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2254 के अनुरूप, सीरिया में एक व्यापक राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के लिए श्री पेडरसन के सभी प्रयासों को मिस्र का पूर्ण समर्थन दोहराया।

सपा की पदयात्रा 14 अप्रैल को प्रयागराज से होगी शुरू

प्रयागराज, (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों कार्यक्रमों, विचारों व संदेशों को जन- जन तक पहुंचाने के लिए संविधान निर्माता, समाजसुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती पर 14 अप्रैल को देश बनाओ, देश बचाओ समाजवादी पद यात्रा निकालेगी। पार्टी के नेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। देश बनाओ -देश बचाओ समाजवादी पदयात्रा का प्रयागराज से शुरू होकर प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, फैजाबाद बस्ती, संतकबीर नगर होते हुए गोरखपुर में समापन होगा। 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे सपा के जिला कार्यालय जार्जटाउन से पदयात्रा शुरू होगी।

मीडिया में चार्जशीट कंटेंट सबूतों को दिखाने पर रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रद्धा वाल्कर केस बेहद संवेदनशील है। नृशंस हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस दोषी को सख्त सजा दिलाने के प्रयास में जुटी है। इसी बीच दिल्ली की निचली अदालत का बड़ा आदेश सामने आया है। साकेत कोर्ट ने मीडिया घरानों से कहा है कि श्रद्धा वॉल्कर केस की चार्जशीट के कंटेंट और सबूतों को न दिखाया जाए। आदेश दिल्ली पुलिस की याचिका पर पारित हुआ है। दिल्ली पुलिस को सबूतों तक मीडिया की एक्सेस की विश्वसनीय सूचना मिली थी। रिपोर्ट के अनुसार, साकेत कोर्ट ने सभी मीडिया घरानों को मामले में डिजिटल साक्ष्य सहित चार्जशीट की सामग्री प्रकाशित करने और प्रसारित करने से रोक दिया है।

इतिहास

- **1713:** ब्रिटेन और फ्रांस के बीच यूट्रेक्ट की दूसरी संधि ने स्पेनिश उत्तराधिकार का युद्ध समाप्त किया।
- **1827:** भारत के महान विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी ज्योतिबा फुले का जन्म।
- **1869:** महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का जन्म।
- **1881:** अमेरिका के अटलांटा में स्पेलमान कॉलेज की स्थापना की गई।
- **1904:** प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता एवं गायक कुन्दन लाल सहगल का जन्म।
- **1914:** एक पेशेवर आर्किटेक्चर बंधुओं अल्फा रो ची ने शिकागो में होटल शेरमेन की स्थापना की।
- **1915:** चार्ली चैपलिन की फिल्म द ट्रम्प को जारी किया गया।
- **1919:** अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना की गई।
- **1921:** रेडियो पर खेलों की पहली लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया गया।

अरुणाचल में एलएसी के पास गरजे गृहमंत्री शाह, कहा- गया वो ज़माना...

भारत की कोई सुई की नोक के बराबर नहीं ले सकता ज़मीन

ईटानगर, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारत की जमीन हथियाने का जमाना चला गया है और सेना के पराक्रम से हम सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सुई की नोक जितनी जमीन भी हमसे कोई नहीं ले सकता। वे अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास किबिथू इलाके में वाइब्रेंट विलेज के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि पूरा देश आज अपने घरों में चैन की नींद सो सकता है, क्योंकि हमारे भारतीय-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान और सेना हमारी सीमाओं पर दिन-रात काम कर रहे हैं। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि हम पर बुरी नजर डालने की ताकत किसी में नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि 2014 से पहले पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को अशांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में, पीएम मोदी की 'लुक ईस्ट' नीति के कारण, पूर्वोत्तर को अब एक ऐसा क्षेत्र माना जाता है, जो देश के विकास में योगदान देता है। गृह मंत्री बनने के बाद इस पूर्वोत्तर राज्य में शाह का यह पहला दौरा है. अधिकारियों ने बताया कि शाह किबितू में सोमवार को 'स्वर्ण जयंती सीमा प्रकाश कार्यक्रम' के तहत निर्मित राज्य सरकार की नौ सूक्ष्म पनबिजली परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। ये बिजली परियोजनाएं सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को सशक्त बनाएंगी। शाह लिकाबाली (अरुणाचल प्रदेश), छपरा (बिहार), नूरानड (केरल) और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

मंगलवार को गृह मंत्री नमती इलाके जाएंगे और वालॉन्ग युद्ध स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। गृह मंत्री किबितू में आईटीबीपी कर्मियों से भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के लिए सड़क संपर्क के लिए विशेष रूप से 2500 करोड़ रुपए सहित 4800 करोड़ रुपए के केंद्रीय योगदान के साथ 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम' (वीवीपी) को मंजूरी दी है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। पहले चरण के लिए आंध्र प्रदेश के 455 सहित 662 गांव की पहचान की गई है।

भारत व यूके के बीच 24 को ही होगी व्यापार वार्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय अधिकारियों ने सोमवार को इन खबरों का खंडन किया कि भारत-ब्रिटेन व्यापार वार्ता ठप हो गई है। ऐसा दावा किया जा रहा था कि लंदन में खालिस्तान समर्थक समूहों से जुड़े हालिया हमलों के कारण व्यापार वार्ता रोक दी गई है। ब्रिटिश मीडिया की खबरों में कहा गया कि भारत ने मुक्त व्यापार समझौते को लेकर ब्रिटेन के साथ बातचीत को रोका है।

खबरों में कहा गया कि भारत चाहता है कि पिछले महीने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के लिए जिम्मेदार संगठनों के खिलाफ और अधिक कड़ी कार्रवाई हो। भारतीय विदेश मंत्रालय से जुड़े एक सूत्र ने नई दिल्ली में कहा कि यह खबर आधारहीन है। सूत्र ने कहा कि आधिकारिक वार्ता का अगला दौर 24 अप्रैल से लंदन में होने की संभावना है। द टाइम्स अखबार ने ब्रिटिश सरकार के सीनियर सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत सरकार ने पिछले साल जनवरी में शुरू हुई व्यापार वार्ता रोक दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि 19 मार्च को लंदन में भारतीय उच्चायोग से तिरंगा उतारने और 2 अधिकारियों को घायल करने के लिए जिम्मेदार खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सार्वजनिक निंदा के बिना इसमें कोई प्रगति नहीं होगी। ब्रिटेन सरकार ने हमले की निंदा की है।

एनएसए डोभाल से सुरक्षा पर वियतनाम के मंत्री ने की चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी) वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य जनरल टू लैम ने सोमवार को दक्षिण चीन सागर में बढ़ती मुखरता के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

एनएसए अजीत डोभाल के निमंत्रण पर वियतनाम के लोक सुरक्षा मंत्री भारत दौरे पर है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि सोमवार की वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच व्यापक सामरिक साझेदारी को और गहरा करने और रणनीतिक, सुरक्षा और रक्षा मामलों पर संबंधों को बढ़ाने, दोनों देशों, क्षेत्र और क्षेत्र की शांति, समृद्धि और स्थिरता बनाए रखने में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सितंबर 2022 में नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय भारत-वियतनाम उप मंत्रिस्तरीय सुरक्षा वार्ता के दौरान हुई चर्चाओं का उल्लेख किया और वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण में चल रहे सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

विदेश जाएं तो राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़ जाएं: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को सलाह देते हुए कहा है कि जब भी देश के बाहर जाएं, राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़कर जाएं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व होम्योपैथिक दिवस 2023 पर वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या कभी आपने देखा है कि विदेश से कोई गण्यमान्य व्यक्ति हमारे यहां आया हो और उसने कभी अपने देश के बारे में बुरी बात कही हो? कभी नहीं! चिंतन का विषय है कि हमारे कुछ लोग ऐसा क्यों करते हैं? उल्लेखनीय है कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी लंदन में भारत के संबंध में दिए अपने बयान को लेकर राजनीतिक सवालों के घेरे में हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अमृत काल में हम सब को संकल्प लेना चाहिए कि हम भारत और भारतीयता पर गर्व करेंगे। अपने शरीर को स्वस्थ रखेंगे तथा देश और विदेश में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाएंगे। इस पर कोई आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने विश्व होम्योपैथिक दिवस की शुभकामनाएं।

देते हुए उन्होंने कहा कि हर साल 10 अप्रैल को डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक स्वास्थ्य, एक परिवार है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल केवल चिकित्सा उपचार के बारे में नहीं है, इसमें व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ और एक समुदाय का सामाजिक और आर्थिक वातावरण शामिल है।

अस्पताल ने दे दिया जीवित नवजात का मृत्यु प्रमाण पत्र

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के एक सरकारी अस्पताल में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक नवजात का मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कर दिया जबकि वह जीवित था। उसे दफनाने की तैयारी हो रही थी तभी पता चला कि बच्चे की सांस चल रही है। घटना पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सरकारी घाटल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की है। जानकारी के मुताबिक प्रसव पीड़ा के बाद मोनालिसा खातून नाम की महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

प. बंगाल में बड़ी लापरवाही आई सामने

उसने बच्चे को जन्म दिया तो डॉक्टरों ने कहा कि वह प्रीमैच्योर है। इसके बाद तीन घंटे बाद डॉक्टरों ने परिवार के लोगों का जानकारी दी कि उसकी मौत हो गई है। परिवार के लोग जब दफनाने के लिए गए तो पता चला कि उसकी सांस चल रही है। वे तुरंत फिर से बच्चे को लेकर घाटल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचे लेकिन थोड़ी देर बाद बच्चे की मौत हो गई।

परिवार के लोगों का कहना है कि अगर बच्चे का इलाज किया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। बच्चे कि पिता ने कहा कि बच्चे की मौत नहीं हुई बल्कि उसकी हत्या कर दी गई है। अस्पताल की लापरवाही के चलते उसकी जान चली गई।

विदेश में किससे और क्यों मिलते हैं राहुल?

प्रसाद ने वीडियो क्लिप प्ले की

पटना, (एजेंसी)। राहुल गांधी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने विदेशी दौरों पर अनवांटेड उद्योगपति से मुलाकात को लेकर सवाल उठाया है। साथ ही रविशंकर प्रसाद ने इसके पीछे के एजेंडा और उस व्यक्ति की पहचान उजागर करने की भी मांग की। पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान रविशंकर प्रसाद ने एक वीडियो क्लिप भी प्ले की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी भारत को कमजोर कर रहे हैं?

पाक में बम धमाके से चार की मौत और 15 लोग हुए घायल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्वेटा में सोमवार को बाजार में पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। क्वेटा अस्पताल के प्रवक्ता वसीम बेग ने बताया कि मृतकों में एक महिला भी शामिल है, जबकि दो महिलाएं घायल हुई हैं। सीनियर पुलिस अधिकारी शफकत चीमा ने बताया कि कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक की गाड़ी कंधारी बाजार में खड़ी थी, जिसे निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि वाहन के पीछे खड़ी मोटरसाइकिल में इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाया गया था।

एसएसपी जोहैब मोहसिन बलोच ने बताया कि मृतकों में 02 पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं जो हमले के वक्त वाहन में बैठे हुए थे। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मोटरसाइकिल में 4-5 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया, जिसे रिमोट कंट्रोल से उड़ाया गया है। मालूम हो कि 24 घंटे के भीतर पुलिस पर यह दूसरा हमला है।

केजरीवाल के डिग्री कैंपेन को विपक्ष का झटका, शरद और जयंत ने दी नसीहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शराब घोटाले के आरोपों में घिरी आम आप डिग्री दिखाओ कैंपेन चला रही है। पीएम नरेंद्र मोदी की शिक्षा पर सवाल उठा रही दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी और मुखिया अरविंद केजरीवाल का अभियान भाजपा के अलावा विपक्ष को भी रास नहीं आ रहा है। कोर्ट से 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाए जाने के बावजूद डिग्री-डिग्री कर रही पार्टी को अब शरद पवार से लेकर जयंत चौधरी तक ने नसीहत दी है। उन्होंने कहा है कि इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है।

इससे पहले शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र के पूर्व उप सीएम अजित पवार ने भी पीएम मोदी का साथ देकर आप की मुहिम पर सवाल खड़े किए थे।

भेद किया जा रहा पैदा

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने पूछा है कि जब देश में बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और महंगाई जैसे मुद्दे हों तो क्या किसी की शैक्षणिक डिग्री क्या राजनीति का मुद्दा हो सकता है? पवार ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि क्या किसी की डिग्री राजनीतिक मुद्दा हो सकता है जब देश बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और महंगाई का सामना कर रहा हो। आज लोगों में धर्म और जाति का भेद पैदा किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने की याचिका ख़ारिज़

रेमडेसिविर व फेविपिराविर के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दो दवाओं रेमेडिसविरऔर फेविपिरविर का इस्तेमाल बिना मंजूरी के कोविड- 19 के इलाज के लिए किया जा रहा है। साथ ही, वैध लाइसेंस के बिना इन दवाओं को बेचने के लिए 10 भारतीय दवा कंपनियों के खिलाफ सीबीआई जांच की भी मांग की गई।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. परदीवाला की पीठ ने कहा कि इन मुद्दों की अदालत द्वारा जांच नहीं की जा सकती है और अधिवक्ता एमएल शर्मा द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।

अक्टूबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा, जिसमें आरोप लगाया गया कि बिना मंजूरी के कोविड-19 के इलाज के लिए रेमेडिसविरऔर फेविपिरविर का इस्तेमाल किया जा रहा है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था और चार सप्ताह में जवाब मांगा।

जमशेदपुर में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण, किया फ्लैग मार्च

पूर्वी सिंहभूम (झारखंड), (एजेंसी)। जमशेदपुर के कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर में स्थिति तनावपूर्ण है। सोमवार की सुबह पुलिस और आरपीएफ ने इलाके में फ्लैग मार्च किया।

प्रशासन ने स्थिति पर नियंत्रण का दावा कते हुए पूरे क्षेत्र में निषेधाज्ञा (धारा 144) लगाते मोबाइल इंटरनेट सेवा पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया है। दो समुदायों में तनाव की शुरुआत शनिवार को उस समय हुई जब शास्त्री नगर के हनुमान मंदिर के चौक पर महावीरी झंडा में बंधे मांस के टुकड़े लोगों ने देखे। उपद्रव में 100 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है व 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लेह में केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर बोले लोगों का भाजपा पर बढ़ा विश्वास

लेह/नई दिल्ली,(एजेंसी)। 10 अप्रैल को लेह प्रवास के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को भाजपा कार्यालय, लेह में कार्यकर्तओं से मुलाकात की। इस अवसर पर दो गांवों के अनेक लोगों ने भाजपा की सदस्यता मंत्री श्री तोमर की उपस्थिति में ग्रहण की।

लद्दाख के सांसद सेरिंग नामग्याल तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी भी उपस्थित थे। श्री तोमर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा के संविधान, उद्देश्य व नेतृत्व पर लेह-लद्दाख में लोगों का विश्वास बढ़ा है।

परियोजना — केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सोनमर्ग में बन रही जोजिला टनल का किया निरीक्षण, बोले

चंद मिनटों में पूरी हो जाएगी घंटों की दूरी

श्रीनगर, (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कश्मीर के सोनमर्ग में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ज़ोजिला सुरंग के लिए चल रहे काम की समीक्षा की। यह लद्दाख को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

उन्होंने सुरंग को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह परियोजना एक सपने को पूरा करने जैसी है जो कश्मीर घाटी को कन्याकुमारी से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 25 हजार करोड़ रुपए की लागत से 19 टनलों का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 2680 करोड़ रुपए की लागत से 6.5 किमी लंबाई के जेड-मोड़ टनल एवं एप्रोच रोड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह 2-लेन टनल कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच पहाड़ी थजीवास ग्लेशियर के नीचे बन रही है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी घोषणा की कि जेड-मोड़ सुरंग जो गगनगीर को सोनमर्ग से जोड़ती है और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में रिसॉर्ट को सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करती है। इसका उद्घाटन इस साल अक्टूबर में किया जाएगा। गडकरी ने 11,500 फीट से अधिक की ऊंचाई पर काम का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह भारत की एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सुरंग है। सुरंग की लंबाई एशिया में सबसे अधिक मानी जाती है।सर्दियों के दौरान श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग के बंद होने से केंद्र शासित प्रदेश में नागरिक आबादी और सेना दोनों के जीवन पर बुरा असर पड़ता है।जोजिला सुरंग उस क्षेत्र के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी, जो जून 2020 से सेना और चीनी सेना के बीच लंबे समय से गतिरोध का सामना कर रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जोजिला दर्रे को पार करने के लिए औसत यात्रा समय लगभग तीन घंटे है, हालांकि, इस सुरंग के पूरा होने के बाद इसे घटाकर सिर्फ 20 मिनट कर दिया जाएगा।

बाबा साहब की जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भीमराव रामजी आम्बेडकर, डॉ० बाबासाहब आम्बेडकर नाम से लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था।

राजे सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ पायलट का एक दिन का अनशन

सचिन की आलाकमान को चुनौती

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पार्टी की चेतावनी को दरकिनार करते हुए पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय 'अनशन' किया। जयपुर के शहीद स्मारक पर सचिन पायलट पांच घंटे के अनशन के बाद पायलट ने कहा कि सरकार को जिस भ्रष्टाचार के मामले में जांच करनी थी, उसे ध्यान में लाने के लिए अनशन किया है। कांग्रेस के पार्टी विरोधी गतिविधि करार दिए जाने के बावजूद पायलट ने यह कदम उठाकर आलाकमान को खुली चुनौती दे दी है। संगठन ने फिलहाल इस मामले में चुप्पी साधी हुई है, लेकिन आलाकमान पूरे घटनाक्रम से बेहद नाराज है और आगे की रणनीति तय करने में जुटा है। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि अकेले उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होनी है। सब कुछ आलाकमान तय करेगा। माना जा रहा है कि बुधवार को राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के वायनाड दौरे से लौटने के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में चर्चा के बाद आलाकमान आगे का एक्शन तय करेगा। पायलट ने बगावती तेवर ऐसे समय दिखाए हैं, जब पूरी पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनाव पर फोकस बनाए हुए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस मजबूत नजर आ रही है, लेकिन इस घटनाक्रम से पार्टी को वहां नुकसान हो सकता है। ऐसे में आलाकमान सब पहलुओं पर विचार कर कदम उठाएगा। उधर देर शाम सचिन नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

राहुल गांधी के मुद्दे को सचिन ने बनाया 'ढाल'

भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर अपनी पार्टी की सरकार के खिलाफ मुखर हुए सचिन ने राहुल गांधी के केंद्र सरकार के खिलाफ उठाए गए भ्रष्टाचार के मुद्दे को आधार बनाया। पायलट के अनशन को पार्टी विरोधी गतिविधि बताए जाने को लेकर पायलट ने कहा कि यह बात संगठन से जुड़ी हुई नहीं है। राहुल गांधी ने भी करप्शन के मुद्दे पर ही जेपीसी की मांग की है। पायलट ने कहा कि 4 साल से लगातार हम यही उम्मीद कर रहे थे कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब अनशन के बाद उम्मीद करता हूं कि सरकार भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करेगी। पायलट ने कहा कि हमने बीजेपी के करप्शन को हर राज्य में उजागर किया है। ऐसे में उम्मीद है कि दीमक की तरह खोखला करने वाले करप्शन को राजस्थान में भी खत्म किया जाएगा।

बिना हाथ का साथ लिए दिखाई ताकत

बिना हाथ के साथ और आलाकमान के पोस्टर के बैनर के नीचे सचिन पायलट ने अनशन किया जिसमे बड़ी संख्या में समर्थक जुटाकर पार्टी को अपनी ताकत दिखाई। इसमें कांग्रेस से विधानसभा, लोकसभा के कई उम्मीदवार, पूर्व पीसीसी पदाधिकारी सहित कांग्रेस नेता मौजूद रहे, लेकिन पायलट समर्थक विधायक आलाकमान के डर चलते अनशन में शामिल नहीं हुए। हालांकि इन विधायकों ने पर्दे के पीछे से भीड़ जुटाने में मदद की। वहीं अनशन के बाद पायलट ने कार की छत पर चढ़कर समर्थकों का अभिवादन करते हुए मुट्ठी बंदकर अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया।

2009 में लगा चुका हूँ ये आरोप: सांसद बेनीवाल

पायलट को अलग पार्टी बनाकर साथ आने न्योता दे चुके आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने कहा कि सचिन ने जो आरोप सरकार पर लगाए हैं, उन्हीं के चलते मुझे 2009 में भाजपा से निकाला गया था। उन्होंने कहा कि 2023 में भाजपा-कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार दोनों ही पार्टियों के खिलाफ रहेंगे। अगर पायलट अपनी पार्टी बनाते हैं तो उनके साथ ही गठबंधन करूंगा। इधर आप पार्टी ने भी सचिन पायलट का समर्थन करते हुए भाजपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। मंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि जिस मामले को लेकर पायलट अनशन कर रहे हैं, उसकी जांच पूरी हो चुकी है। पायलट को लगता है, अगर जांच में कमी तो तथ्य पेश करें, पायलट का इस तरह से अनशन करना बिल्कुल गलत है।

पायलट के धरने पर भाजपा का निशाना

कुर्सी के मोलभाव के बाद अब होगी आर-पार की लड़ाई

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा ने सचिन पायलट के अनशन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता व जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में कहा कि मुझे लगता है, जो पार्टी अपने ही नेताओं को राहत नहीं दे पा रही है, वह जनता को राहत देने के बारे में कैसे सोचेगी? 4 साल से कांग्रेस में अंतर्कलह चल रहा था और राजस्थान में जो सत्ता को कब्जे में लेने के लिए भागदौड़ का खेल चल रहा था वो अब खत्म हो चुका है। तो ऐसे में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में कुर्सी के लिए आर-पार की लड़ाई शुरू हो चुकी है, लेकिन यह आर-पार की लड़ाई किस वजह से है?

दरअसल, यह आर-पार की लड़ाई राजस्थान की जनता के लिए नहीं बल्कि राजस्थान की सत्ता पर कब्जा कौन जमाएगा, इसके लिए है। राठौड़ ने कहा कि पायलट का अनशन सत्ता प्राप्ति के विलाप और निजी स्वार्थों से परिपूर्ण है।

सरकार की दुर्गति निश्चित

भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने पायलट के अनशन पर कहा कि कांग्रेस मे अंदरुनी कलह बढ़ती जा रही है और उसका खामियाजा जनता भुगत रही है। आज कांग्रेस के नेता एक के बाद एक अपनी ही सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के मामले खोल रहे हैं और कांग्रेस का अंदरुनी मामला अब सड़कों पर आ गया है। अरुण सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने प्रतिशोध की राजनीति से शांतप्रिय राजस्थान को जंगलराज बना दिया। गहलोत सरकार में महिलाओं पर अत्याचार, दलित शोषण, खान घोटालों और पेपर लीक जैसे घोटालों पर कांग्रेस मौन क्यो है ? उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के मामलों से बहुसंख्यकों की विरोधी सरकार की दुर्गति निश्चित है।

शिविर में किया 323 यूनिट रक्तदान

अंगदान, देहदान और नेत्रदान करने के लिए संकल्प पत्र भरे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। शशि खंडेलवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से रविवार को महावीर पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर लगाया गया। पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल और शरद खण्डेलवाल के नेतृत्व में 323 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में अंगदान, देहदान और नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरे गये। शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को हेलमेट देकर सम्मानित किया। शिविर संयोजक शरद खण्डेलवाल ने बताया कि शिविर में सहायता समूह की ओर से दुर्घटनाग्रस्त होने पर और अचानक हार्ट बीट जाने पर उस व्यक्ति को सीपीआर देकर उसकी जान बचाने का लाइव डेमो देकर लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, विधायक अमीन कागजी, खादी बोर्ड के चेयरमैन ब्रजकिशोर शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा, उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, पीसीसी सचिव प्रशांत शर्मा,राजेश चौधरी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहें।

डीजीपी के निर्देश पर जारी हुए आदेश, विभागीय कार्रवाई भी होगी

पुलिस वालों ने ट्रैफिक रूल तोड़े तो होगा डबल जुर्माना

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ट्रैफिक रूल्स तोड़ने पर आमजन पर जुर्माना करने वाली पुलिस अब ऐसा करने पर उसके 'अपनों' पर भी सख्ती बरतेगी।

अब वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों को दोगुना जुर्माना देना होगा। पुलिसकर्मी यातायात नियमों को तोड़ता हुआ पाया गया तो चालान जमा करवा कर ही वह बच नहीं सकेगा, बल्कि उस पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, आमजन से चालान के दौरान वसूली जाने वाली जुर्माना राशि से दोगुणा राशि ली जाएगी। इस संबंध में मंगलवार को डीजीपी पुलिस उमेश मिश्रा के निर्देश पर एडीजीपी ट्रैफिक वीके सिंह ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एडीजीपी सिंह ने बताया कि पुलिस कर्मियों के हेलमेट नहीं लगाने पर, दोपहिया वाहन पर दो से अधिक सवारी बैठाने, चौपहियां वाहन चलाते हुए सीट बेल्ट नहीं लगाने, रेड लाइट जम्प करने, शराब पीकर वाहन चलाने और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों से निर्धारित जुर्माने से दोगुना जुर्माना वसूलने के साथ ही विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

गुजरात में लागू हैं इस तरह के नियम

गुजरात में पुलिसकर्मी अगर ट्रैफिक नियमों को तोड़ते हैं, तो उनसे दोगुनी रकम चालान की ली जाती है। जानकारी के अनुसार पुलिसकर्मियों के लिए दोगुनी रकम के जुर्माने का प्रावधान मोटर वाहन की धारा में आता है। यदि कोई पुलिस अधिकारी स्वयं नियमों को तोड़ता है, तो जुर्माना राशि दोगुनी हो जाएगी।

इसलिए जरूरी हुई मुहिम

पुलिसकर्मी अगर वर्दी में यातायात नियमों का पालन नहीं करता है तो इससे पुलिस की छवि खराब होती है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस पर आमजन के चालान काटते समय दबाव बनता है। जनता चालान के दौरान विरोध करती है। इसलिए पुलिस के मुखिया ने इन सबको गंभीरता से लेते हुए और पुलिस में अनुशासन बना रहे, इसके लिए ऐसे आदेश जारी किए हैं।

हादसों को लेकर गंभीर हैं डीजीपी

डीजीपी मिश्रा प्रदेश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर भी गंभीर हैं। इन हादसों में मौतों का ग्राफ इसीलिए बढ़ रहा है, क्योंकि वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते देश में अधिकतर सड़क हादसों में मौत ओवरस्पीड, बिना हेलमेट,सीट बैल्ट लगाए वाहन चलाने से ही होती है। वहीं, साल 2023 की प्राथमिकताओं को बताते हुए डीजीपी मिश्रा ने कहा था कि वह लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर गंभीर है, इसलिए हादसों में कमी लाने के प्रयास राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताओं में रहेगा।

खोले के हनुमान मंदिर में भजन संध्या

हमको गुरुवर का सहारा न होता तो खोले का ऐसा नजारा ना होता

हिलव्यू समाचार
जयपुर। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति श्री खोले के हनुमान जी के तत्वावधान में दिल्ली रोड स्थित खोले के हनुमान मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय श्री हनुमत जन्मोत्सव पर आयोजित भजन संध्या में जुगल किशोर सैनी 'युगल शरण' और उनके साथियों ने अपनी भक्तिपूर्ण रचनाओं से भक्तों को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। भजन प्रस्तुतकर्ताओं में रवि, जतिन, सुनील चतुर्वेदी के अलावा तबले पर राजेन्द्र शर्मा, मंजीरे पर बाला प्रसाद और सिंथेसाइजर पर हबीब भाई ने संगत की।

गणपति वंदना से प्रारंभ श्री हनुमत जन्मोत्सव में 'थोडा समय निकाल के वंदे प्रेम तो कर ले राम से..., मंगल को जन्मे मंगल ही करते जय जय हनुमान..., अगर हमको गुरुवर का सहारा ना होता तो खोले का ऐसा नजारा ना होता..., तेरे सिर पर सीताराम फिकर तू मत करना..., हमारे दो ही रिश्तेदा..., सुबह शाम आठों याम ये किए काम किए जा..., खुश होंगे हनुमान राम नाम लिए जा... भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी।

20 साल में रोशन किया हजारों बच्चों का जीवन

कूड़ा बीनने वालों और सफाईकर्मियों के बच्चों को दिखाई शिक्षा की राह

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर का एक ऐसा स्कूल है जहां पर प्रवेश लेने के लिए कोई टेस्ट नहीं देना पड़ता। यह स्कूल उन लोगों के सपनों को पूरा करता है जो कभी विद्यालयों को बाहर से देखकर इनमें पढ़ने की सोच रखते हैं, लेकिन आर्थिक तंगी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अपने सपने पूरा नहीं कर पाते। 26 जनवरी 2003 में महेश नगर की गणेश कॉलोनी में ही विमला कुमावत ने घर पर 5 बच्चों को पढ़ाने के साथ यह मुहिम शुरू की। 20 साल में उन्होंने कचरा बीनने वाले और सफाई कर्मियों के बच्चों के जीवन को रोशन कर दिखाया।

समाज के सहयोग से चलता है ख़र्च

शारदा एनक्लेव के दोमंजिला भवन में चल रहे इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का पूरा खर्च समाज के सहयोग से चलता है। 36 बच्चें यही होस्टल में रहते हैं। अपना परिवार छोड़कर विमला अब इन बच्चों के साथ यहीं रहती हैं, ताकि बड़ी बच्चियों की पढ़ाई न छूटे। साथ ही बच्चों प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करवा कर उन्हें कंपटीशन एग्जाम फाइट करवाती हैं। विद्यालय की एक नई शाखा सांगानेर में बक्सावाल में टैंट के नीचे शुरुआत हुई है,जहां 125 बच्चे पढ़ते हैं।

माता पिता की तरह निभाया फ़र्ज़

विमला कहती है कि उसे अपने जन्म की दिनांक तो याद नहीं, लेकिन 26 जनवरी 2003 याद है। जब संघ के वरिष्ठ प्रचारक धनप्रकाश त्यागी की प्रेरणा से उन्होंने जयपुर में अपने घर के नजदीक की वाल्मिकी बस्ती से कूड़ा बीनने वाले 5 बच्चों को पहली बार अपने घर पढ़ाने के की शुरुआत की। तीन बेटो-बहुओं व पोते -पोतियों से भरे परिवार वाली 8 वीं पास विमला तब 48 साल की थी। जिन बच्चों का जीवन संवारने का उन्होंने मुहीम छेड़ी, वो दिनभर कूड़ा बीनकर जो पैसा कमाते थे, उससे नशा करते। वाल्मीकि की इस बस्ती का हाल बड़ा बुरा था, बस्ती के आसपास गंदगी, आवारा जानवरों के बीच पल रहे बच्चे, और नशे के आदी माता-पिता के इन बच्चों की पढ़ाई की चिंता कर इनका जीवन संवारना शुरू किया।

बच्चों की दशा तो स्कूल की सूरत बदली: एक महिला ने निस्वार्थ भाव से बच्चों के जीवन की दशा व दिशा दोनों ही बदल दी। सेवाभारती के कार्यकर्ताओं की मदद से पहले तीन साल विमला के घर में चलने वाली कक्षाएं धीरे-धीरे सेवाभारती बाल विद्यालय में बदल गई। यहां वर्तमान में 400 से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। तीन साल तक बच्चे घर मे पढ़े। परंतु जब 100 छात्र हो गए तो सेवाभारती के सहयोग से यह विद्यालय त्रिपाल (टैंट) के नीचे लगने लगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)